आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 237 | इंदौर, गुरुवार 26 मार्च, 2026 | चैत्र शुक्ल 8 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

देश विदेश

मोदी कैबिनेट में मिली 100 नए एयरपोर्ट के निर्माण की मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई बड़े निर्णय लिए हैं। देश में 100 नए एयरपोर्ट के निर्माण को मंजूरी दी गई है। उड़ान 2.0 योजना को मंजूरी मिल गई है। ईज ऑफ ट्रैवल के लिए आईवीएफआरटी डिजीटल प्रोसेस में 32 नए आइडिया जोड़े गए हैं। इस योजना के तहत 28840 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 100 नए एयरपोर्ट की अगर बात की जाए तो एक एयरपोर्ट बनाने में करीब 100 करोड़ का खर्च आने वाला है। इस पूरी परियोजना में सरकार ने बजट को तय किया है। यह करीब 12,159 करोड़ का है। इस तरह आम जनता के लिए हवाई यात्रा आसान और सस्ती हो जाएगी। सरकार देश भर में 200 नए और आधुनिक हेलीपैड बनाने वाली है। पहाड़ों, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों और टापुओं पर जहां पर सड़कें बनाना आसान नहीं है।

अमेरिका के पास ताकत होती तो जीत चुका होता : ईरान

तेल अवीव। ईरान ने ट्रम्प की युद्धविराम कोशिशों का मजाक उड़ाया है। ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने बुधवार को अमेरिका के युद्धविराम दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका दरअसल खुद से ही बातचीत कर रहा है। ईरानी सेना के खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जोलफघारी ने यह बयान सरकारी टीवी पर प्रसारित एक रिकॉर्डेड वीडियो में दिया। उन्होंने कहा, आप जिस ताकत की बात करते थे, वह अब नाकामी में बदल गई है। आप खुद को दुनिया की महाशक्ति कहते हैं, लेकिन अगर यह ताकत आपके पास होती तो अब तक इस हालात से बाहर निकल चुके होते। अपनी हार को समझौते का नाम मत दीजिए। आपके खोखले वादों का दौर अब खत्म हो चुका है।

मोनालिसा ने डायरेक्टर

सनोज मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए

बोलीं- मुझे कई बार गलत तरीके से छुआ, परिवार ने मेरा साथ नहीं दिया

कोच्चि। प्रयागराज के कुंभ मेले से चर्चा में आईं मोनालिसा भोंसले ने मंगलवार को डायरेक्टर सनोज मिश्रा पर फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर की शूटिंग के दौरान गलत तरीके से छूने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मोनालिसा ने केरल के कोच्चि में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सनोज मिश्रा अच्छा इंसान नहीं है। उसने मुझे 10 बार गलत तरीके से छुआ। मैंने अपने परिवार को बताया कि सनोज मिश्रा ने मुझे छुआ, लेकिन उन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मुझे पता है कि मैंने क्या सहा है। मेरे साथ गलत व्यवहार हुआ है। मुझे सिर्फ न्याय चाहिए। सनोज मिश्रा ने मुझे जब छुआ। मैंने यह बात अपने पूरे परिवार को बताई, लेकिन कहा गया कि यह तुम्हारी पहली फिल्म है। क्या पहली फिल्म के लिए मुझसे रेप करवाओगे? मोनालिसा ने केंद्र सरकार के साथ केरल और मध्य प्रदेश सरकार से मदद मांगी। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मोनालिसा ने कहा कि उनके पोस्टर जलाए जा रहे हैं। साथ ही कुछ लोग उन्हें लगातार धमका रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डायरेक्टर उनके बारे में गलत बातें फैला रहा है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति के साथ काम नहीं करना चाहतीं। मोनालिसा ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की कि उनके पति के खिलाफ शादी को लेकर गलत आरोप न लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि दोनों ने मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की है।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर चार्जशीट दाखिल होने तक रोक

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की जमानत इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। यह फैसला हाईकोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने दोपहर बाद 3.45 बजे सुनाया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई हैं। सबसे अहम शर्त यह है कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे और इंटरव्यू नहीं देंगे। शंकराचार्य के विदेश जाने पर भी रोक है। इसके लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होगी। अगर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है, तो दूसरा पक्ष जमानत कैंसिलेशन अर्जी दे सकता है।

शेयर बाजार : सेंसेक्स 1205 अंक चढ़कर 75,273 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में 25 मार्च को तेजी रही। सेंसेक्स 1,205 अंक (1.63%) की तेजी के साथ 75,273 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 394 अंक (1.72%) की तेजी रही, ये 23,306 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में बढ़त रही। आज ऑटो, बैंकिंग, मेटल और एफएमसीजी शेयर ज्यादा चढ़े। अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत की खबरों से बाजार में रौनक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच कई अहम मुद्दों पर सहमति बन गई है। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ा दिया है। शुरूआती कारोबार में लगभग सभी बड़े एशियाई बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में रहे।

मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और गैस की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने 'नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026' लागू किया

घर के पास पीएनजी पाइपलाइन तो कनेक्शन लेना अनिवार्य

कंपनी 3 महीने का नोटिस देगी, कनेक्शन नहीं लिया तो एलपीजी सप्लाई बंद होगी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अगर आपके घर के पास गैस पाइपलाइन आ गई है और आपने पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया है, तो अगले 3 महीने में आपके घर आने वाला एलपीजी सिलेंडर बंद कर दिया जाएगा। मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और गैस की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने 'नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026' लागू किया है।

इसके तहत अब पाइप वाली गैस का कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा।

हालांकि, इसके लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद भी अगर कोई कनेक्शन नहीं लेता है तो 90 दिन बाद उसकी एलपीजी सप्लाई रोक दी जाएगी। साथ ही सोसाइटियों को 3 दिन में पाइपलाइन की मंजूरी भी देनी होगी।

- **सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी-** कई बार हाउसिंग सोसायटियों या आरडब्ल्यू (रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के विरोध की वजह से पाइपलाइन का काम रुक जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अगर कोई कंपनी पाइपलाइन के लिए रास्ता मांगती है, तो सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी। अगर सोसाइटी ने मना किया या देरी की, तो वहां रहने वाले सभी घरों की एलपीजी सप्लाई पर रोक लगाई जाएगी।
- **छोटे इलाकों को 10 दिन में मंजूरी मिलेगी-** पाइपलाइन बिछाने के लिए अब सरकारी विभागों को फाइलों को अटकाने की इजाजत नहीं है। छोटे नेटवर्क के लिए 10 दिन और बड़ी लाइनों के लिए 60 दिन में मंजूरी देना अनिवार्य है। अगर विभाग तय समय में जवाब नहीं देता है तो उसे 'डीम्ड क्लियरेंस' यानी 'ऑटोमैटिक मंजूरी' मान लिया जाएगा और काम शुरू कर दिया जाएगा।
- **पाइपलाइन के लिए जमीन मालिक को दोगुना मुआवजा-** अगर पाइपलाइन किसी की निजी जमीन से गुजर रही है, तो अब मुआवजे को लेकर सालों तक केस नहीं चलेंगे। सरकार ने इसके लिए एक फिक्स फॉर्मूला बना दिया है: जमीन के कमर्शियल सर्किल रेट का 30% हिस्सा मालिक को मुआवजे के तौर पर दिया जाएगा। जमीन मालिक अगर आवेदन मिलने के 24 घंटे में मंजूरी दे देता है, तो उसे दोगुना यानी 60% मुआवजा मिलेगा। अगर जमीन मालिक मंजूरी नहीं देता है, तो 'डेजिग्नेटेड अथॉरिटी' (कलेक्टर या अन्य अधिकारी) फैसला लेंगे।

कोर्ट के आदेश की अनदेखी करना पड़ा भारी

पूर्व अपर मुख्य सचिव सहित चार अधिकारियों को दो-दो माह की सजा

कोर्ट ने सजा को तीन सप्ताह के लिए स्थगित रखा ताकि आदेश का पालन किया जा सके

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर कोर्ट के आदेश की अनदेखी अधिकारियों पर भारी पड़ी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा की एकलपीठ ने पूर्व अपर मुख्य सचिव (एसीएस) मोहम्मद सुलेमान, पूर्व में आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं रहे और वर्तमान में आयुक्त आदिम जाति कल्याण तरुण राठी, उज्जैन स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. डी के तिवारी और मंदसौर सीएमएचओ डॉ. गोविंद चौहान को कोर्ट की अवमानना का दोषी पाते हुए दो-दो माह कारावास की सजा सुनाई है।

मंदसौर स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ कर्मचारियों के पक्ष में छह दिसंबर 2023 को हाई कोर्ट ने एक आदेश पारित किया था। कोर्ट ने इन कर्मचारियों को वर्ष 2004

से सात अप्रैल 2016 तक नियमितीकरण और उसके साथ सभी अनुषंगी लाभ देने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने विभाग को आदेश के पालन के लिए तीन माह का समय दिया था, बावजूद इसके आदेश का पालन नहीं हुआ। इस मामले में नौ अवमानना याचिकाएं हाई कोर्ट में प्रस्तुत हुईं। कोर्ट ने अवमानना याचिकाओं में पक्षकार बनाए गए सभी अधिकारियों को दो-दो माह कारावास की सजा सुनाई है।

याचिकाएं 22 बार सुनवाई के लिए लगी फिर भी पालन नहीं किया- सात पेज के आदेश में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये अवमानना याचिकाएं 22 बार सुनवाई के लिए लगीं। हर बार इन याचिकाओं में अधिकारियों को अवसर दिया गया कि वे कोर्ट के आदेश का पालन कर लें, बावजूद इसके पालन नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि छह फरवरी 2026 को आदेश दिया था कि अधिकारी चार सप्ताह में अनिवार्य रूप से आदेश का पालन करें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

आंशिक पालन भी पर्याप्त नहीं- कोर्ट में शासन की ओर से बताया गया कि 12 मार्च 2026 को एक आदेश जारी कर याचिकाकर्ताओं को नियमित करने के संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है, इस पर कोर्ट ने कहा कि पहली बात तो यह कि यह चार सप्ताह की समय सीमा में नहीं हुआ है, दूसरा यह कि पूर्व में जारी आदेश केवल कर्मचारियों के नियमितीकरण तक सीमित नहीं था।

दिल्ली विधानसभा को लगातार दूसरे दिन बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा को लगातार दूसरे दिन बम की धमकी मिली है। बुधवार सुबह असेंबली स्पीकर के ओएसडी को धमकी भरा ईमेल मिला है। एजेंसियां जांच में जुटी हैं। गौरतलब है कि मंगलवार सुबह भी बजट सत्र शुरू होने से पहले विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के पास एक धमकी भरा ईमेल आया था। हालांकि जांच में कुछ संदिग्ध नहीं मिला था। इसके चलते सुबह 11 बजे शुरू होने वाली सदन की कार्रवाई आधे घंटे की देरी से शुरू हो पाई थी।

सीएम ने दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 मार्च को अपना 61वां जन्मदिन भोपाल में मुख्यमंत्री निवास में दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया। मप्र सरकार के मंत्रियों, विधायकों और बीजेपी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने उन्हें सीएम हाउस पहुंचकर बधाई दी।

बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ता हाथों में मेंहदी लगवाकर सीएम को आशीर्वाद देने पहुंचीं। महिलाओं ने हाथों पर लिखा था- शक्ति का आशीर्वाद।

युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भेंट किया त्रिशूल- बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सीएम हाउस पहुंचे। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सीएम को त्रिशूल भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी।

चिट्ठियां लेकर पहुंची महिलाएं- बड़ी संख्या में बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सीएम को हाथ से लिखी चिट्ठियां भेंट कीं। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, मंत्री कृष्णा गौर, प्रतिमा बागरी, महिला मोर्चा की महामंत्री मोना सुस्तानी मौजूद रहे। अलग-अलग तरह के गिफ्ट बॉक्स बनाकर महिलाएं सीएम हाउस पहुंचीं।

31 मार्च के लिए ई-फाइल शेड्यूल न करें ट्रेजरी अफसर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मार्च का अंतिम सप्ताह शुरू होते ही वित्तीय वर्ष के समापन से पहले बिल स्वीकृत कराने और भुगतान की प्रक्रिया तेज हो गई है। 31 मार्च की डेडलाइन नजदीक आने के चलते कोषालयों में पेंडेंसी बढ़ने लगी है, जिससे सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव देखा जा रहा है। स्थिति को देखते हुए वित्त विभाग ने सभी कोषालय अधिकारियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 31 मार्च को अत्यधिक लोड की स्थिति बनी रहेगी, इसलिए इस दिन ज्यादा ई-फाइल शेड्यूल न की जाएं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पहले ही ई-फाइल शेड्यूल कर भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर लें। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 27, 28 और 29 मार्च को अवकाश रहने के कारण अधिकतर फाइलों को 25 और 26 मार्च को ही शेड्यूल किया जाए।

बच्चों का स्क्रीन टाइम 1 घंटा रहे शाम 7 बजे के बाद इंटरनेट बंद

एजेंसी ▸▸ कर्नाटक

कर्नाटक सरकार ने 9वीं से 12वीं के छात्रों के डिजिटल इस्तेमाल को लेकर ड्राफ्ट पॉलिसी जारी की है। इसमें सिफारिश की गई है कि पढ़ाई के अलावा मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम रोजाना 1 घंटे तय किया जाए। शाम 7 बजे के बाद इंटरनेट बंद करने की भी सिफारिश की गई है। ड्राफ्ट में कहा गया है कि छात्रों को सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन से दूर रखा जाए। मोबाइल के लिए चाइल्ड प्लान का सुझाव दिया गया है, जिसमें ऑडियो-ओनली विकल्प और तय समय के बाद इंटरनेट बंद करने की व्यवस्था होगी। उम्र के हिसाब से डिवाइस और ऑपरेटिंग सिस्टम डेवलप करने की भी बात कही गई है। सरकार के मुताबिक, करीब 25% किशोरों में इंटरनेट की लत है, जिससे नींद की कमी, चिंता और ध्यान भटकने जैसी समस्याएं हो रही हैं।

सरकार ने कहा- देश में पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं

घबराकर जरूरत से ज्यादा खरीदने से बचें

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। देश में किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल पंपों को सप्लाई करने वाले टर्मिनलों पर भी पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दिल्ली में इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग के दौरान

लोगों से डर और घबराहट में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी करने से बचने की अपील की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। सुजाता शर्मा ने कहा- पैनिक बाइंग के कारण पिछले दो दिनों में कई जगहों पर पेट्रोल पंपों और रिटेल आउटलेट्स के बाहर लंबी कतारें देखी गई हैं। हम बताना चाहते हैं कि देश में कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक है। हमारे पास सालाना करीब 26 करोड़ टन कच्चा तेल रिफाइन करने की क्षमता है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने आगे कहा- पिछले 25 दिनों में करीब 2.5 लाख नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। इसके अलावा लगभग 2.20 लाख उपभोक्ताओं ने एलपीजी से पीएनजी में शिफ्ट किया है।

अगर आप भी खरीदने जा रहे इंफ्रारेड चूल्हा

जानें कितने वॉट का लेना रहेगा सही

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

हाल के समय में एलपीजी की बढ़ती कीमतों के कारण कई शहरों में एलपीजी सिलेंडर को लेकर मारामारी मची हुई है। साथ ही, सिलेंडर की बुकिंग के लिए लोगों को दिन भर लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। इसी बीच इंडक्शन चूल्हे की मांग बढ़ती जा रही है, जिसका फायदा उठाते हुए कंपनियां इनकी कीमत बढ़ाने में लग गई हैं। बढ़ती डिमांड के कारण इंडक्शन चूल्हे तेजी से आउट ऑफ स्टॉक हो रहे हैं। ऐसे में इंफ्रारेड चूल्हे बाजार में नए विकल्प बनकर सामने आए हैं। खास बात यह है कि इंफ्रारेड चूल्हे मार्केट में आसानी से उपलब्ध हैं। वहीं, इनमें सारे बर्तन भी इस्तेमाल हो जाते हैं।

क्या होता है इंफ्रारेड चूल्हा

इंफ्रारेड कुकटॉप सुरक्षित और स्वच्छ खाना पकाने में काफी अच्छा है। यह चूल्हा सिरेमिक ग्लास का बना होता है, जिसके नीचे एक उच्च-शक्ति वाला इंफ्रारेड हीटिंग एलिमेंट होता है, जो एक कॉइल या हैलोजन लैंप होता है। यह इंफ्रारेड विकिरण के रूप में ऊष्मा उत्सर्जित करता है। इस चूल्हे पर आप अपने किचन के एल्युमीनियम, स्टील, कॉपर और आयरन बर्तन इस्तेमाल कर सकते हैं, जो आप गैस पर करते हैं। इसके लिए आपको अलग से बर्तन नहीं खरीदने होते हैं।

- **कैसे काम करता है इंफ्रारेड चूल्हा-** अक्सर लोग इंडक्शन और इन्फ्रारेड चूल्हे में कन्फ्यूज हो जाते हैं, लेकिन आपको बता दें कि इंडक्शन चूल्हा सीधे बर्तन के बेस यानी मेटल को गर्म करता है, जबकि इंफ्रारेड चूल्हा इंफ्रारेड लाइट का उपयोग करके गर्मी पैदा करता है, जो बर्तन की सतह पर पहुंचकर उसे गर्म करता है। इसमें हीट पूरे बर्तन में फैलती है, जिससे खाना एक समान पकता है। खास बात यह है कि इंफ्रारेड कुकटॉप से खाना जल्दी पकाया जा सकता है।
- **कम बिजली इस्तेमाल करेगा या ज्यादा-** वैसे तो इंडक्शन और इंफ्रारेड कुकटॉप दोनों ही बिजली पर चलते हैं, लेकिन इंफ्रारेड चूल्हे इंडक्शन के मुकाबले अधिक बिजली खर्च करता है, क्योंकि ये चूल्हे रेडिएंट हीट इस्तेमाल करते हैं, जिसकी वजह से ये गर्म भी देर से होते हैं और इसे ठंडा होने में भी थोड़ा समय लगता है। यही कारण है कि यह ज्यादा बिजली की खपत करता है।
- **कितने वॉट का इंफ्रारेड चूल्हा लेना सही -** घर के लिए सबसे अच्छा इंफ्रारेड चूल्हा आमतौर पर 2000 वॉट का माना जाता है, जो 3-4 लोगों के परिवार के लिए खाना जल्दी पका सकता है। अगर आप हल्का काम जैसे चाय, मैगी, कॉफी, दूध गरम करना चाहते हैं तो 1500-1800 वॉट का भी सही रहेगा, लेकिन तेज कुकिंग के लिए 2000 वॉट ही बेहतर रहेगा। ध्यान रखें कि 2000 वॉट का चूल्हा 1 घंटे में लगभग 2 यूनिट बिजली खर्च कर सकता है।

एक अफवाह से पेट्रोल पंपों पर... ...लगी बेहिसाब भीड

फ्रीगंज ब्रिज

नानाखेड़ा

अंकपात मार्ग

इंदौर गेट

तराना रोड

चिमनगंज मंडी

लोगों ने उपयोग से अधिक पेट्रोल-डीजल भरवाया वाहनों में, जिसे देखो फूल टेंक पेट्रोल-डीजल की मांग करते दिखा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहरी क्षेत्र में मंगलवार देर शाम को आकस्मिक रूप से पेट्रोल एवं डीजल की मांग बेहिसाब बढ गई। वाहन चालक अपने कामों को छोडकर पेट्रोल पंपों पर ऐसे पहुंचे जैसे आगे मिलेगा ही नहीं। पेट्रोल पंपों पर लंबी कतार लग गई। यहां तक की संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस को व्यवस्था के लिए लगना पडा। कुछ क्षेत्रों में पुलिस ने अफवाह पर ध्यान न देने की उद्घोषणा भी की है। जिला आपूर्ति अधिकारी शालू वर्मा ने साफ कहा हमारे पास भरपूर पेट्रोल झडीजल उपलब्ध है। अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए। आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल वाहनों में लें।

मंगलवार को पेट्रोल-डीजल के दामों को लेकर अफवाहों ने देर शाम को जोर पकड लिया । इसे लोगों ने वैश्विक समस्या से जोडकर देख लिया और आगे वाहनों के इंधन को लेकर आपूर्ति की अफवाहों को जोर मिलता गया। एक से दुसरे तक पहुंची अफवाहों के चलते देर शाम को देखते ही देखते पेट्रोल पंपों पर भीड जुटने लगी और वाहनों की कतार लंबी होती चली गई। देर रात तक पेट्रोल पंपों पर यही हाल देखा गया है।

पुलिस ने की उद्घोषणा

देवासगेट क्षेत्र में इन हालातों को देखते हुए संबंधित थाना पुलिस के जवान हाथों में लाउड स्पीकर लेकर मैदान में उतरे और उन्होंने अपने क्षेत्र के पंपों पर पहुंचकर वहां पेट्रोल झडीजल लेने के लिए खडी भीड को अफवाहों पर ध्यान न देने के लिए आगाह करते हुए सचेत किया। इसके बावजूद भीड बराबर पंपों पर बनी रही।

जिले में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल

जिला आपूर्ति अधिकारी शालू वर्मा ने बताया कि जिले में करीब 150 पेट्रोल पंप संचालित हो रहे हैं। इनमें से मात्र शहरी क्षेत्र एवं पास के अनुभाग में ही अफवाहों ने जोर पकडा और देर शाम से पेट्रोल पंपों पर वाहनों की कतार लग गई। रिजर्व के लिए लोगों ने जरूरत से भी अधिक पेट्रोल एवं डीजल की मांग रखना शुरू कर दिया। जिले में मंगलवार तक 16 हजार किलो लीटर पेट्रोल एवं 25 हजार किलो लीटर डीजल उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त डिपो में दो माह का पेट्रोल एवं डीजल रखा हुआ है। आपूर्ति में भी किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। एक दम से इस प्रकार से आवश्यकता नहीं होने के बावजूद मांग होने पर पेट्रोल पंपों पर स्थिति बिगडने के हालात बने हैं। आपूर्ति बिल्कुल सामान्य है। उन्होंने साफ कहा कि पेट्रोल पंपों पर लोग केन डिब्बों एवं ड्रम लेकर डीजल लेने पहुंच रहे हैं जिस पर रोक के लिए कहा गया है। उन्होंने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दैनिक उपयोग जितना ही पेट्रोल-डीजल लें,अफवाहों पर ध्यान न दें।

मुनी नगर, दो तालाब

लोग उलझते रहे पेट्रोल-डीजल लेने को

पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल लेने के लिए लगी लंबी लाईनों के चलते वाहन चालक कई जगह पर आपस में उलझते देखे गए। इस दौरान बोलचाल एवं गाली गलौज तक देखी गई। संबंधित थाना पुलिस के लिए भी काम बढ गया। पेट्रोल पंपों पर इसके चलते स्टाफ की तैनाती कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई।

पंप बंद हुए तो अफवाह और बढी

इधर समय पर बंद होने वाले पेट्रोल पंपों के कारण अफवाह ने और जोर पकड लिया कि पेट्रोल झडीजल खत्म हो गया है। शहरी क्षेत्र के कई पेट्रोल पंप प्रति दिन की तरह समय पर बंद किए गए। आवासीय क्षेत्रों में संचालित पेट्रोल पंपों को नियमानुसार बंद करना होता है। 24 घंटे संचालित होने वाले पेट्रोल पंप खाद्य विभाग की अनुमति से ही संचालित होते हैं।

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का मंगलवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

कुछ भी कहें देरी तो हुई है...!

महाआयोजन की तैयारी को लेकर योजनाएं अभी तक बन रही है और उन पर अमल को लेकर समय बहुत कम है। देरी से प्रोजेक्ट शुरू हुए और उन पर जिस गति से काम होना था वह नहीं हुआ। बराबर समय झसमय पर इसे लेकर जहां न पहुंचे रवि वहां पहुंचे कलयुगी ह्लकवियोंह्व ने उठाया था। समय झसमय पर इस प्रश्न को उठाने पर जिम्मेदारों ने एक ही रटारटाया जवाब दिया था कि हमारी गति तेज है और समय के मान से अधिक प्रतिशत काम कर लिया गया है। पिछले बडे साब ने एक नहीं दो नहीं पूरे पांच बार अलग झअलग मसलों पर बात के दौरान इसे दोहराया था। घाट के ठाट से लेकर अन्य सभी कामों में इस बात को अलग झअलग तरीके से ह्लकवियों ह्व ने रखा लेकिन पता नहीं क्यों काम में देरी को लेकर कोई स्वीकारोक्ति नहीं की गई। अभी भी यही हाल है। इसके बावजूद काम को लेकर अब हल्ला मचने लगा है। धीरे-धीरे भगवा की बढती संख्या के साथ ही उठक बैठक देखकर जिम्मेदारों का तापमान भी चढने की स्थिति बन गई है। छोटे से लेकर बडे साहब और शहर से लेकर जिला एवं संभाग के साहब को भी चिंता सताने लगी है। पूरे काम के पक्ष का प्राकृतिक वातावरण होने के बाद भी काम को ठंडी गति से करने वाले अनुबंधित जिम्मेदार अब भी गति बढाने को तैयार नहीं हैं। सिरे से कामों को जाकर देखा जाए तो यही स्थिति हर साईड पर देखने को मिल रही है। कुछ साईड पर तो कामकाजी ही दिखाई नहीं दे रहे हैं। काम कब किस साईउ पर पूरे होने हैं इसकी जानकारी का बोर्ड तो गायब स्थिति में ही है। 21सेतू में से किसे कब पूर्ण होना है ये भी अंदर की बात है। खुसूर झफुसूर है कि यही हाल गलियों को मुख्य मार्ग बनाने के मामले के हैं। 2004 जैसे हाल सामने दिख रहे हैं। जब देवासगेट से महाकाल चौराहा तक टूटे मकानों को देखते हुए महाआयोजन में आने वाले श्रद्धालू गुजरे थे। देवासगेट की टूटी होटलों एवं लाजों में श्रद्धालुओं ने विश्राम किया था। यही हाल गलियों को मुख्य मार्ग बनाने की गति का सामने आ रहा है। अभी तो ये मात्र निर्माण का मामला है इससे आगे भी अन्य कई प्रकार के मसले खडे होने हैं। इनको लेकर भी 2004 की पूर्नरावृत्ति होती दिख रही है।

बेगमबाग में नीलकंठ द्वार के पास अवैध 16 मकानों, होटलों पर चला बुलडोजर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्री महाकाल मंदिर के पास बेगमबाग में एक बार फिर से संयुक्त कार्रवाई के तहत मुस्लिम बाहुल्य बेगमबाग क्षेत्र में 16 अवैध भवनों पर प्रशासन के सहयोग से उज्जैन विकास प्राधिकरण,नगर निगम एवं पुलिस की टीम ने बुलडोजर चलाया है। यहां पर उज्जैन विकास प्राधिकरण के 45 आवासीय भूखंडों के नियम विरुद्ध 90 हिस्से कर व्यावसायिक निर्माण किए गए थे। पूर्व में 42 भवन तोडे जा चुके हैं। अब इस जगह पर ब्रिज निर्माण प्रस्तावित है।

मंगलवार सुबह श्री महाकाल मंदिर के मुख्य नीलकण्ठ द्वार के पास से इस कार्रवाई को आधा दर्जन पोकलेन व बुलडोजर से कार्यवाही को अंजाम दिया गया है। लोअर कोर्ट, हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट से स्टे समाप्त होने के बाद यह कार्रवाई की गई है। उज्जैन विकास प्राधिकरण के आवासीय भूखंडों पर यहां लोगों ने लीज शर्तों का उल्लंघन करते हुए व्यवसायिक तौर पर उपयोग किया था,भूखंडों के टूकडे कर दिए थे। अवैध अतिक्रमण किया था। उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी के साथ कर्मचारी अधिकारी , सीएसपी राहुल देशमुख के साथ 50 पुलिस अधिकारी व जवान , 50 नगरनिगम कर्मी व प्रशासन का अमला यहां तैनात रहा और कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

कोई विरोध नहीं, पैदल आवागमन रहा

कार्रवाई में किसी प्रकार का कोई विरोध प्रदर्शन देखने को नही मिला । दरअसल यहां पिछले एक वर्ष के भीतर इसी प्रकार 42 बिल्डिंग को जमीदोंज किया गया था तब जरूर विरोध हुआ था। आज कार्यवाही शांतिपूर्ण चली। क्षेत्र मुस्लिम बाहुल्य होने के कारण अति संवेदनशील माना गया है। इसलिए यह रास्ता वाहनों के लिए पूरी तरह बन्द कर दिया गया था। केवल श्रद्धालुओं को पैदल आवागमन करने दिया गया।

ये है पूरा मामला

दरअसल पूरा मामला इस प्रकार है कि उज्जैन विकास प्राधिकरण ने वर्ष 1985 में बेगम बाग क्षेत्र में भूखंड आवासीय तौर पर 30 साल की लीज पर दिए थे। भूखंड धारकों ने इन भूखंडों का उपयोग आवासीय तौर पर करने की बजाय पूरी तरह व्यावसायिक तौर पर कर लिया। जो कि नियम विरुद्ध था। इसके साथ ही वर्ष 2014-15 में लीज भी समाप्त हो गई । जिसे नवीनीकरण भी नहीं कराया गया। भूखंडों को लेकर उज्जैन विकास प्राधिकरण ने लगातार नोटिस दिए। वर्ष 2023-24 में उज्जैन विकास प्राधिकरण ने भूखंड धारकों की लीज समाप्त कर दी । जिसको लेकर भूखंड धारक न्यायालय पहुंचे जहां उन्हें स्टे मिल गया। इन भूखंडों का अलग-अलग न्यायालय में मामला विचाराधीन रहा ।न्यायालय का स्टे हटते ही तोड़ने की कार्यवाही शुरू कर दी गई । यहां पूर्व में भी चार चरणों मे करीब एक वर्ष के भीतर 42 बिल्डिंगों को हटाया गया था। खास बात तो यह है कि जिन पर कार्यवाही हो रही है ऐसे 45 भूखंड है जिन्हें उज्जैन विकास प्राधिकरण ने आवंटित किए थे। जिनमें प्रत्येक की साइज करीब 2400 स्क्वेयर फीट थी।भूखंड धारकों ने इनके अलग-अलग टुकड़े कर करीब 99 बिल्डिंग बना ली। आज दिनांक तक 90 में से 58 बिल्डिंग को जमीदोंज किया गया है शेष 32 बिल्डिंगों को भी कानूनी प्रक्रिया के तहत तोड़ा जाएगा।

ब्रिज निर्माण प्रस्तावित

उज्जैन विकास प्राधिकरण सीईओ संदीप कुमार सोनी ने बताया कि माननीय न्यायालय से स्टे खारिज होने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है । भूखंड धारक को भूखंड आवासीय तौर पर दिए गए थे जिसे उन्होंने व्यावसायिक उपयोग किया। इसके अलावा लीज समाप्त होने के बाद लीज नवीनीकरण भी नहीं हो सका है। इसलिए यह कार्रवाई की गई। जिस जगह यह कार्यवाही चल रही है यहां आगामी सिहंस्थ 2028 में ब्रिज निर्माण प्रस्तावित है।

सीसीटीवी एवं ड्रोन से चौकसी

सीएसपी राहुल देशमुख का कहना है कि यहां पर 50 से अधिक पुलिस जवान व अधिकारी तैनात किए गए है। सीसीटीवी व ड्रोन से नजर रखी जा रही है। यह महाकाल मंदिर पहुंच मार्ग है इसलिए श्रद्धालुओ को कोई असुविधा न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

16 भवनों पर कार्रवाई

मंगलवार को जिन 16 बिल्डिंगों पर कार्रवाई की गई, न्यायालय ने इनका स्टे खारिज कर दिया था । इसके बाद विकास प्राधिकरण की ओर से नोटिस दिया गया था जिनकी समय सीमा समाप्त हो गई। भवन मालिको से बातचीत की गई और उन्हें न्यायालय प्रक्रिया के बारे में समझाया गया। इसके बाद उन्होंने स्वतः अपनी बिल्डिंग खाली करना शुरू कर दी। इसलिए यह कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से जारी रही।

इन भवनों का हटा अतिक्रमण

मंगलवार को जिन 16 भवनों को जमीदोंज किया गया उनमें

भूखंड क्रमांक 66: होटल डायमंड, जीकुन बी एवं अन्य

भूखंड क्रमांक 66 ए के 3 भाग: खतीजा बी, मोहम्मद सलीम, नजमा बी

भूखंड क्रमांक 67 ए: हिना खान

भूखंड क्रमांक 68 ए: मोहम्मद सलीम पिता लियाकत हुसैन

भूखंड क्रमांक 69 ए: शाहनवाज खान

भूखंड क्रमांक 68 बी: अब्दुल हमीद

भूखंड क्रमांक 69 बी: वारिस बेग

भूखंड क्रमांक 231 ए: न्यू सावन पैलेस होटल राज गेस्ट हाउस, होटल नसीब, जामा ए शकीब एजुकेशनल सोसाइटी, डॉक्टर महबूब खान

भूखंड क्रमांक 71: सरताज खान

भूखंड क्रमांक 72: जान मोहम्मद

भूखंड क्रमांक 73: मोहम्मद अनीस

भूखंड क्रमांक 74: ताहिर अली मोहम्मद यूनुस

न्यूज ब्रीफ

गदर 2 फिल्म की ऐक्ट्रेस सिमरत महाकाल मंदिर पहुंचीं

उज्जैन। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री सिमरत कौर मंगलवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं। उन्होंने नंदी हाल से भगवान महाकाल के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया और देहरी से जल अर्पित किया। सिमरत कौर ने बताया कि यह उनका महाकाल दर्शन का दूसरा अवसर है। उन्होंने कहा कि यहां की ऊर्जा दिव्य है और उन्हें विशेष आध्यात्मिक अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि उन्होंने बंगाल फाइल्स में काम किया है। महाकाल के दर्शन को उन्होंने अपने जीवन का खास पल बताया। अभिनेत्री ने मंदिर की दर्शन व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि यहां व्यवस्थाएं काफी अच्छी और सुचारु हैं। दर्शन के बाद सिमरत कौर ने मंदिर परिसर में शिखर के साथ फोटो सेशन भी कराया।

बिहार के राज्य मंत्री रत्नेश कुमार ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन। बिहार सरकार के राज्य मंत्री रत्नेश कुमार ने उज्जैन स्थित ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए। इस दौरान वे पूरी तरह बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आए। रत्नेश कुमार अपने धर्मपत्नी के साथ नंदी हॉल पहुंचे और वहां से बाबा महाकाल के दर्शन का लाभ लिया। नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना भी व्यक्त की। दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए रत्नेश कुमार ने अपनी बात की शुरूआत जय श्री महाकाल के जयकारे से की। उन्होंने कहा, ₹आज प्रभु ईश्वर महाकाल के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। स्वाभाविक है हम सभी का सौभाग्य है कि नवरात्रि में बाबा महाकाल के दर्शन का लाभ मिला। हम लोग भावुक हैं, ज्यादा क्या कह सकते हैं, एकदम इमोशनल है। दर्शन बहुत अच्छा हुआ।

खराब रिजल्ट पर बनेगी दस-दस सदस्यीय 3 कमेटियां

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के बीएड, लॉ और एमबीए कोर्स के खराब रिजल्ट को लेकर मचे बवाल के बीच डीएवीवी ने बड़े सुधार की तैयारी की है। एक तरफ जहां एमबीए और बीएड के कॉलेज छात्रों के लिए डीएवीवी जो ऑनलाइन क्लासेस लगाने जा रही है, उसमें पढ़ाने के लिए यूटीडी के रिटायर्ड प्रोफेसरो को मौका दिया जाएगा। यही नहीं हर विषय के अलग-अलग प्रोफेसर क्लास लेंगे। दो घंटे की यह क्लास होगी। वहीं दूसरी तरफ खराब रिजल्ट में सुधार के लिए एक और बड़ा कदम उठाते हुए दस-दस सदस्यीय 3 कमेटियां बनाई जा रही हैं। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर तीनों कोर्स में बड़ा सुधार किया जाएगा। कुलपति प्रो. राकेश सिंघई का कहना है कि यह तीनों कमेटियां रिजल्ट में आ रही परेशानी में सुधार से लेकर अन्य तकनीकी समस्याओं के समाधान में सुधार से लेकर काम करेगी।

प्रदूषण को लेकर आईआईटी की रिपोर्ट के बाद उठे सवाल

इंदौर। सिरपुर तालाब में प्रदूषण को लेकर आईआईटी इंदौर की रिपोर्ट के बाद यहां पनप रही जलकुंभी को लेकर फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। वजह निगम प्रशासन का दावा है। इसके मुताबिक झील में अब गंदा पानी नहीं जा रहा, क्योंकि वहां एसटीपी काम कर रहा है, लेकिन मौके पर अब भी जलकुंभी और काई नजर आ रही है। निगम खुद मान रहा है कि मुख्य झील के मुकाबले छोटे सिरपुर क्षेत्र में ज्यादा समस्या है। यहां जल गुणवत्ता अभी भी पूरी तरह नहीं सुधरी। निगम ने सिरपुर रामसर साइट में 10 से 11 आउटफॉल चिह्नित किए थे। अधिकारियों के अनुसार इनमें से 9 आउट-फॉल बंद कर दिए गए हैं। 20 किमी का सीवर नेटवर्क तैयार किया गया।

मांगलिया डिपो से पेट्रोल-डीजल की सुचारू आपूर्ति

इंदौर। इंदौर जिले में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और सुचारू बनी हुई है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आज सुबह 6 बजे से मांगलिया स्थित एचपीसीएल, भारत पेट्रोलियम एवं इंडियन ऑयल के डिपो पर टैंकरों में ईंधन भरने का कार्य तेज गति से प्रारंभ कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह 8 बजे तक मांगलिया डिपो से हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 25 टैंकर लोरियां, भारत पेट्रोलियम की 17 तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की 19 टैंकर लोरियां विभिन्न पेट्रोल पंपों के लिए रवाना हो चुकी हैं। डिपो पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध है और पूरी क्षमता के साथ टैंकरों को भरा जा रहा है। जिला प्रशासन की टीम सुबह 5 बजे से ही सक्रिय होकर मांगलिया डिपो तथा फील्ड के पेट्रोल पंपों का सतत निरीक्षण कर रही है, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल प्राप्त करें। जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति पूरी तरह व्यवस्थित रूप से जारी है। लोहा मंडी क्षेत्र में पेट्रोल 149 रुपये प्रति लीटर बिकने के वायरल वीडियो को लेकर उठे सवालों पर खाद्य विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। विभाग के अनुसार, वीडियो में दिखाया गया पेट्रोल सामान्य पेट्रोल नहीं बल्कि एक्सपी 100 कैटेगरी का प्रीमियम पेट्रोल है, जिसकी कीमत पहले से ही अधिक निर्धारित होती है।

नकली बिस्किट को असली सोना बताकर ठगे थे 5 लाख

3 माह की तलाश के बाद गिरफ्त में आये झाबुआ के दंपति, कोर्ट में पेश कर भेजा गया जेल

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

नकली सोने का बिस्किट असली बातकर 5 लाख नगद ठगने वाले दंपति तीन माह बाद पुलिस की गिरफ्त में आ गए। दंपति से 5 लाख नगद बरामद कर पुलिस ने बुधवार दोपहर कोर्ट में पेश किया। दोनों को जेल भेजा गया है।

दिसंबर 2025 में जीरो पाइंट ब्रिज के नीचे हर्षित भोजनालय का संचालन करने वाली जसोदा पति राजकुमार जीनवाल निवासी हाथीपुरा ने माधवनगर थाना पुलिस को शिकायती आवेदन देकर बताया था कि भोजनालय पर खाना खाने आए कालू और उसकी पत्नी साबरबाई ने बताया कि मजदूरी का काम करते हैं खुदाई में सोने का बिस्किट मिला। उन्होंने बिस्किट बताते हुए बेचने की बात कही। उन्होंने बिस्किट में से ही एक टुकड़ा तोड़कर दिया और कहा कि असली है। बिस्किट के टुकड़े को सुनार से चेक कराया तो असली होना सामने आया। रुपये नहीं होने पर बिस्किट खरीदने से मना कर दिया। लेकिन 2 दिन बाद पति-पत्नी फिर लौटे और बताया कि उनके बेटे की शादी है 5 लाख की जरूरत है अमानत के तौर पर बिस्किट रख लो, जो 400 ग्राम से अधिक का है वापस आकर बिस्किट लेंगे और तुम्हारे रुपए लौटा देंगे। लालच में आकर उसने 5 लाख रुपए पति-पत्नी को दे दिए और बिस्किट रख लिया। कुछ दिनों तक दोनों वापस नहीं लौटे तो उसने बिस्किट दोबारा से चेक कराया जो नकली सोने का होना सामने आया।

जसोदा ने पुलिस को बताया कि दोनों पति-पत्नी ने झाबुआ के आंवलीफालिया का रहने वाला बताया था। थाना प्रभारी राकेश भारती ने नकली सोना देखकर 5 लाख ठगने वालों की तलाश के लिये एएसआई लक्ष्मीकांत गौतम, प्रधान आरक्षक आशुतोष नगर, आरक्षक देवराजसिंह, प्रधान महिला आरक्षक अन्नपूर्णा, आरक्षक प्रतिभा और फूलनश्री की टीम गठित की। तीन माह से दोनों की तलाश जारी थी, मंगलवार को सूचना मिलने पर पुलिस आलोट पहुंचे और धोखाधड़ी करने वाले दंपत्ति कालू पिता तेरिया भाबोर 50 वर्ष और साबरबाई पति कालू 45 वर्ष को गिरफ्तार कर उज्जैन ले आई। दोनों की निशानदेही पर ठगे गए 5 लाख रुपए नगद भी बरामद किए गए हैं। दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

कालू करता था बैंड बजाने का काम

बताया जा रहा है कि धोखाधड़ी करने वाले दंपति पिछले कई महीनो से उज्जैन स्थित चामुंडा माता चौराहा फुटपाथ पर रह रहे थे। कालू भाबोर बैंड बजाने का काम करने लगा था वही पत्नी फुटपाथ पर रहकर मांगने खाने का काम करती थी। दोनों जसोदा के भोजनालय पर कुछ दिनों तक लगातार खाना खाने पहुंचे थे इस दौरान उसे अपने झांसे में लिया था। 5 लाख मिलने के बाद दोनों उज्जैन से लापता हो गए थे और अलग-अलग शहरों में रहकर मजदूरी का काम कर रहे थे लेकिन कानून के लंबे हाथ उन तक पहुंच गए।

हाथों से बनाते थे बिस्किट

बताया जा रहा है कि भील समुदाय के दंपत्ति पीतल और अन्य पीली वस्तु को गला कर सोने का बिस्किट बनाते थे, जिसके एक हिस्से में असली सोना भी लगते थे, जिसको भी झांसा देना होता था उसे बिस्किट में से असली सोने का हिस्सा तोड़कर चेक करने के लिए दे देते थे, असली होने पर जसोदा उनके झांसे में आ गई थी लेकिन दोनों ने असली टुकड़ा वापस ले लिया था, बाद में रुपए लेकर टूटा हुआ नकली बिस्कुट थमाकर दोनों फरार हो गए। फिलहाल पुलिस पूछताछ में उनसे और अन्य किसी वारदात का खुलासा नहीं हो पाया है।

लक्ष्य 3497 करोड़ अब तक आए 2324 करोड़ ही

मार्च महीने में संपत्तियों की रजिस्ट्री कम, पिछले साल आए थे कुल 2528 करोड़

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

पंजीयन विभाग को सरकार ने वित्तीय वर्ष की शुरूआत में 3497 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य दिया था जो पिछले वित्तीय वर्ष में आए राजस्व से करीब साढ़े 900 करोड़ अधिक था मगर यह लक्ष्य पाना काफी मुश्किल है।

साढ़े 11 माह में 2324 करोड़ रुपए आए है। अब वित्तीय वर्ष समाप्त होने में 6 दिन ही शेष हैं और इस बीच तमाम सरकारी छुट्टियां भी हैं जिससे लोग अपनी संपत्ति की रजिस्ट्री करवाने कम आएंगे। इधर कलेक्ट्रेट सहित सभी पंजीयन कार्यालयों में शाम के समय सन्नाटा रहता है जबकि पहले मार्च के आखिरी दिनों में खूब रजिस्ट्रीयां होती थीं। इस बार जिले में संपत्तियों की खरीदी बिक्री में लोगों की ज्यादा रूचि नहीं है। बाजार में पैसों की भी कमी बताई गई है वहीं बड़े सौदे नहीं हो रहे हैं। शहर के भीतर ही मकान, जमीन की खरीदी बिक्री अधिक हो रही है जिससे पंजीयन विभाग को कम शुल्क ही मिल रहा है। इधर सरकार ने बीते अप्रेल माह में इन्दौर जिले को 3497 करोड़ को जो लक्ष्य दिया था। उसमें से 16 मार्च तक की स्थिति में 2324 करोड़ रुपए आए हैं और पिछले साल कुल राजस्व ही 2528 करोड़ आया था और 186276 दस्तावेज पंजीबद्ध हुए थे। अर्थात इतने लोगों ने संपत्ति खरीदी बेची थी।

छुट्टियों के दिन भी कार्यालय खुले

वरिष्ठ जिला पंजीयक मंजूलता पटेल ने बताया कि हम 2600 करोड़ का लक्ष्य पाने के लिए प्रयासरत हैं। छुट्टियों के दिन भी कार्यालय खुले रखे जा रहे हैं। हर दिन जो स्लॉट बुक हो रहे हैं उनके अनुसार रजिस्ट्री हो रही हैं। मगर जानकारों का मानना है कि सरकार ने जो लक्ष्य दिया है उसे पानी काफी मुश्किल है। कलेक्टर कार्यालय के अलावा ढक्कनवाला कुंआ, विजय नगर, एमओजी लाइन और महू, सांवेर, देपालपुर में भी पंजीयन कार्यालय हैं। यहां उपपंजीयक बैठते हैं। सभी जगह स्लॉट बुक करके रजिस्ट्री करवाई जाती है।

नई गाइड लाइन के साथ इन क्षेत्रों को मिलेगी रजिस्ट्री की सौगात

नई गाइड लाइन (2026-2027) लागू होने के साथ ही यह शहर की कई कॉलोनियों के लिए खुशखबरी लेकर आएगी। नई गाइड लाइन के साथ ही यहां पर रजिस्ट्री की अनुमति भी मिल जाएगी। नई गाइड लाइन के पहले ही इंदौर की प्रॉपर्टी गाइड लाइन में 91 नई कॉलोनियां शामिल हो चुकी हैं। अब अप्रैल में 10 और नई कॉलोनियों को गाइड लाइन में शामिल किया जाएगा और फिर यहां पर भी रजिस्ट्री शुरू हो जाएगी। इसके बाद इन कॉलोनियों में प्लॉटधारक या प्रॉपर्टी लेने वाले रजिस्ट्री करवा सकेंगे। फरवरी में इंदौर पंजीयन विभाग ने 101 कॉलोनियों का प्रस्ताव दिया था, लेकिन मुख्यालय से 10 कॉलोनियों में अलग-अलग तरह की विसंगति होने से उन्हें रोक दिया गया था। अब इन्हें अप्रैल से लागू होने वाली नई गाइड लाइन में जोड़ लिया जाएगा। जिन 10 कॉलोनियों को छोड़ा है, उनमें लोकेशन की प्रस्तावित दरों में कुछ विसंगतियां थीं। इसलिए फिलहाल उन्हें छोड़ा गया है।

उज्जैन स्मार्ट सिटी स्मार्ट सिटी एक्सपो 2026 में पुरस्कृत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

स्मार्ट निगरानी एवं सार्वजनिक सुरक्षा श्रेणी का सम्मानित पुरस्कार उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड को 33 वे कान्क्लेव-इंडिया स्मार्ट सिटी एक्सपो 2026 में प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नेतृत्व में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का परिणाम है। इस सम्मान को संस्था की ओर से संदीप शिवा द्वारा ग्रहण किया गया।

उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा स्थापित उन्नत निगरानी प्रणाली, इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर सीसीटीवी नेटवर्क, ट्रैफिक मैनेजमेंट एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को एक नई दिशा प्रदान की है। इन तकनीकी पहलों के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा, यातायात नियंत्रण तथा त्वरित आपातकालीन सहायता सुनिश्चित की जा रही है। यह सम्मान उज्जैन को एक सुरक्षित, स्मार्ट एवं तकनीकी रूप से सशक्त शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इंदौर में सजेगा रंगमंच का महाकुंभ

अप्रतिम नाट्य महोत्सव 2026 का आयोजन 28 मार्च से होगा

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर की समृद्ध रंगमंचीय परंपरा को प्रोत्साहित करने और कला एवं संस्कृति के संवर्धन के उद्देश्य से अप्रतिम नाट्य महोत्सव 2026 (सीजन-2) का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य नाट्य उत्सव चार दिनों तक आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश भर के 28 प्रतिष्ठित नाट्य समूह अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे।

महोत्सव का उद्घाटन 28 मार्च 2026 को रविंद्र नाट्य गृह में होगा साथ ही प्रथम दिवस की नाट्य प्रस्तुतियां दी जाएँगी। इसके बाद महोत्सव की अन्य प्रस्तुतियाँ 3 अप्रैल से 5 अप्रैल 2026 तक देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सभागार, खंडवा रोड पर आयोजित की जाएँगी।

आईआईएसटी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट्स के समूह सलाहकार श्री अरुण एस भटनागर ने बताया कि उद्घाटन अवसर पर प्रसिद्ध टेलीविजन एवं फिल्म अभिनेता श्री शिवाजी साटम (सीआईडी धारावाहिक) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि पद्म श्री कालूराम जी बामनिया (कबीर निर्गुण गायक) अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएँगे। विशिष्ट अतिथि श्री प्रेमशंकर शुक्ल (भारत भवन, भोपाल) और श्री जयंत भिसे (सानंद न्यास, इंदौर) उपस्थित रहेंगे ' कार्यक्रम के अंतिम दिन, 5 अप्रैल को विशिष्ट अतिथि के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ राकेश सिंघई के साथ ही स्पर्श ग्रुप के सीईओ अमित सक्सेना भी उपस्थित रहेंगे ' पद्मश्री प्रह्लाद सिंह टिपानिया द्वारा कबीर भजनों कि प्रस्तुति सुबह 10 बजे से दी जाएगी ' नाट्य महोत्सव में प्रवेश निःशुल्क है ' चार दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में दर्शकों को विविध विषयों और शैलियों पर आधारित उत्कृष्ट नाट्य प्रस्तुतियाँ देखने को मिलेंगी '

4.52 करोड़ का पानी 7 दिन भी साफ नहीं रख सके

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

भूतड़ी अमावस्या के 18 मार्च के स्नान पर्व के लिए नर्मदा से शिप्रा में लिए 4.52 करोड़ के पानी को जिम्मेदार 7 दिन भी सुरक्षित नहीं रख पाए। जबकि दावे किए थे कि इसी पानी से 12 अप्रैल को पंचक्रोशी यात्रा के शुभारंभ का स्नान भी श्रद्धालुओं को करवा दिया जाएगा। हालात यह है कि शिप्रा में पानी काला और दूषित हो गया है। ऐसे में सवाल यह कि क्या जिम्मेदार पंचक्रोशी यात्रा के लिए नर्मदा का महंगा पानी फिर से लेंगे? सबसे प्रमुख कारण शिप्रा में कान्ह का गंदा मिलना है। इंदौर से आ रहा सीवर व नाले का पानी कान्ह के जरिए शिप्रा में मिलता है। इसे रोकने के लिए बनाया मिट्टी का कच्चा बांध क्षतिग्रस्त है। शिप्रा नदी किनारे विभिन्न निर्माण कार्य चल रहे हैं। आसपास घाट निर्माण व बीच में पुल-पुलियाओं के काम हो रहे हैं। कामों के चलते मिट्टी व मटेरियल के मिलने से पानी गंदा हो रहा है।

मैन्युअल फिटनेस जांच अस्थाई रुप से फिर लागू

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

वाहन स्वामियों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों को परिवहन विभाग ने बड़ी राहत दी है। अब ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) सेंटर शुरू होने तक मैन्युअल फिटनेस जांच हो सकेगी।

पहले विभाग ने आदेश जारी कर मैन्युअल फिटनेस जांच को बंद कर दिया था। ऐसे में आसपास के छोटे जिलों और कस्बों के वाहन स्वामियों को फिटनेस के लिए इंदौर, उज्जैन जैसे शहरों तक आना पड़ता था। मध्य प्रदेश के कई जिलों में वाहनों की मैन्युअल फिटनेस जांच की व्यवस्था अस्थायी रूप से फिर से लागू कर दी गई है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआइएमटीसी) द्वारा एटीएस सेंटर शुरू होने तक मैन्युअल फिटनेस जांच जारी रखने की मांग की गई थी, क्योंकि कई जिलों में इनका संचालन शुरू नहीं हुआ था। ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने एटीएस सेंटर शुरू होने के बाद जिलों में पुरानी मैन्युअल जांच व्यवस्था को चरणबद्ध बंद करने की मांग की थी। अब परिवहन विभाग ने मैन्युअल व्यवस्था लागू करने से हजारों वाहन मालिकों, ट्रक-बस आपरेटरों और ट्रांसपोर्ट कारोबार से जुड़े लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय से कई जिलों में एटीएस शुरू होने की प्रक्रिया के कारण फिटनेस जांच को लेकर वाहन मालिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। एआइएमटीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश सबरवाल ने बताया कि संगठन ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए लगातार प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप यह निर्णय लिया गया है।

साधना की उपलब्धि

अनेक साधक वर्षों तक साधना करते रहते हैं, पर उनके मन में एक प्रश्न बार-बार उठता रहता है, आखिर साधना की वास्तविक उपलब्धि क्या है? क्या यह कुछ आध्यात्मिक अनुभवों तक सीमित है या यह जीवन को गहरे स्तर पर बदलती भी है? भारतीय संत परंपरा इस प्रश्न का उत्तर प्रेम और अनुभव के माध्यम से देती है। कई भक्त संतों ने कहा है कि साधना का सबसे बड़ा फल है परम सत्ता के प्रति गहरा और स्वाभाविक प्रेम। जब साधक के भीतर ईश्वर के प्रति ऐसा आकर्षण उत्पन्न हो जाता है, जो किसी नियम, भय या सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि हृदय की सहज भावना से उपजता है, तब वह भक्ति की उच्च अवस्था में प्रवेश करता है। इसे ही रागात्मक या स्वाभाविक भक्ति कहा गया है। इस अवस्था में साधक के लिए ईश्वर का स्मरण कोई कर्तव्य नहीं रह जाता, बल्कि उसके जीवन की सहज धड़कन बन जाता है।

इस भाव को समझने के लिए प्रकृति की ओर देखना पर्याप्त है। विशाल समुद्र में असंख्य लहरें उठती हैं। वे कुछ समय के लिए अलग दिखाई देती हैं, लेकिन वास्तव में वे समुद्र से अलग नहीं होतीं। अंततः वे उसी समुद्र में लौट जाती हैं, जहां से उनका उद्भव हुआ था। इसी प्रकार यह सम्पूर्ण सृष्टि एक अनंत चेतना से उत्पन्न होकर उसी में विलीन होने की ओर अग्रसर है। प्रत्येक जीव, प्रत्येक मन और प्रत्येक चेतना उसी मूल स्रोत की ओर लौटने की यात्रा में है। कई संत कवियों ने इस सृष्टि को आनंद का महासागर बताया है। उनके अनुसार परम सत्ता आनंद और प्रेम का अनंत स्रोत है। इसी कारण इस जगत की प्रत्येक गति में एक लय और संगीत छिपा हुआ है। जब हवा बहती है, जब नदी बहती है, जब ग्रह और तारे अपने मार्ग पर चलते हैं, इन सबमें एक सूक्ष्म ताल और लय मौजूद रहती है। आध्यात्मिक साधना का एक महत्वपूर्ण अनुभव इसी सूक्ष्म लय से जुड़ा हुआ माना गया है। जब साधक नियमित साधना के जरिये अपने मन को शांत और सूक्ष्म बनाता है, तब उसे भीतर एक अनोखी ध्वनि का अनुभव होने लगता है। यह ध्वनि बाहरी कानों से सुनाई देने वाली नहीं होती, बल्कि चेतना के भीतर अनुभव की जाती है। भारतीय परंपरा में इसे ह्यओंकारह्न या ह्यप्रणव नादह्न कहा गया है। कई भक्त कवियों ने इसे कृष्ण की बांसुरी के मधुर स्वर के रूप में भी प्रतीकात्मक ढंग से व्यक्त किया है। जब साधक इस दिव्य ध्वनि का अनुभव करने लगता है, तब उसकी साधना में एक नया उत्साह और नई गहराई आ जाती है। उसे लगता है, कोई शक्ति उसे अपने केंद्र की ओर खींच रही है। इस अवस्था में साधना बोझ नहीं रहती, आनंदमय यात्रा बन जाती है। यही वह बिंदु है, जहां भक्ति, ध्यान और प्रेम एक-दूसरे में मिल जाते हैं।

सम्पादकीय

धर्म और आरक्षण

धर्मांतरण और अनुसूचित जाति के दर्जे से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला दूरगामी और सराहनीय है। शीर्ष अदालत ने साफ-साफ कहा है कि हिंदू, बौद्ध और सिख धर्म को छोड़कर किसी अन्य धर्म को अपनाने वाले इस समुदाय के व्यक्ति को अनुसूचित जाति वाली सुविधाएं नहीं मिलेंगी। अदालत ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें हाईकोर्ट ने ईसाई धर्म अपना चुके एक व्यक्ति की एससी-एसटी (अत्याचार रोकथाम) कानून के तहत संरक्षण की मांग को खारिज कर दिया था। निस्संदेह, वह उचित फैसला था। आखिर स्वेच्छा से कोई धर्म-परिवर्तन कब करता है? जब वह नए धर्म से प्रभावित होता है या फिर अपने मूल धर्म के किसी विद्रूप से हमेशा के लिए मुक्ति चाहता है! जिस धर्म की जाति-व्यवस्था से दुखी हो उसे छोड़कर आप किसी अन्य धर्म को अपनाते हैं, फिर त्यागी गई जाति को हासिल सुविधाओं के हकदार कैसे हो सकते हैं? चाहे वह सुविधा शिक्षा संस्थानों या नौकरियों में आरक्षण की हो या सामाजिक प्रताड़ना से कानूनी संरक्षण की हो।

सदियों से समाज के हाशिये पर जी रही जातियों- अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए संविधान-निर्माताओं ने सरकारी नौकरियों व शिक्षा में आरक्षण की व्यवस्था की थी। इसके पीछे उनका पवित्र उद्देश्य यही था कि इन समुदायों के लोग आजाद लोकतांत्रिक देश में अपने को अलग-थलग न समझें; उनका सामाजिक-आर्थिक उत्थान हो और एक समतामूलक भारतीय समाज का निर्माण हो सके। विडंबना यह है कि आज जब देश आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर चुका है, तब भी अनुसूचित जातियों व जनजातियों को संरक्षण की जरूरत पड़ रही है। कटु सच्चाई तो यह है कि सन 1989 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून बनाने की नौबत आई। इसलिए, सुनिश्चित किया जाना भी बहुत महत्वपूर्ण है कि कोई इन कानूनों का दुरुपयोग न करे। जिस व्यक्ति की याचिका के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला आया है, वह धर्म-परिवर्तन करके दस वर्षों से एक प्रतिबद्ध ईसाई की भूमिका निभा रहा है, बल्कि पादरी बन चुका है और इसके बावजूद अपनी पुरानी जाति के लाभ उठाना चाहता था। इसलिए अदालत ने उचित ही कहा है कि ऐसा व्यक्ति किसी कानूनी, सांविधानिक या आरक्षण के लाभ का दावा नहीं कर सकता। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए, जब बौद्ध धर्म अपनाकर मेडिकल कॉलेज में अल्पसंख्यक आरक्षण की मांग कर रहे दो सवर्ण युवाओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया था।

अफवाहबाजी से रहे सावधान

युद्धकाल का संकट, राजनीति और नागरिक कर्तव्य

अमेरिका-इजराइयल और ईरान युद्ध को प्रारंभ हुए 15 दिन का समय व्यतीत हो चुका है और अभी भी युद्ध का दायरा बढ़ ही रहा है। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध और आक्रामकता के कारण संपूर्ण विश्व में तेल और गैस की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। अन्य आवश्यक उत्पादों के जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। विश्व के तमाम देशों की सरकारें एवं विपक्षी दल कदम से कडम मिलाकर तेल, गैस व ऊर्जा संकट, आर्थिक अनिश्चितता तथा कार्यालयों के पलायन के कारण उत्पन्न हो रहे संकट का सामना कर रहे हैं। सभी देशों में सत्तापक्ष व विपक्ष मिलजुल कर कर रहे हैं वहीं भारत में विपक्ष इस संकट का उपयोग अपने ही देश को नीचा दिखाने के लिए कर रहा है। भारत में इस युद्ध तथा उससे उपजे वैश्विक संकट पर अलग ही राजनीति हो रही है। जब से युद्ध आरम्भ हुआ है भारत में लखनऊ से लेकर श्रीनगर और जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले तक अमेरिका-इजराइल के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने के लिए आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन लोगों ने पहले कभी भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों निंदा तक नहीं की है। विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल तथा उनके नेता इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि सरकार की विदेश नीति के खिलाफ अनवरत लेख लिख रहे हैं और किसी न किसी बहाने प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं।

युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। कई देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच रही है पड़ोसी पाकिस्तान में तो लॉकडाउन जैसे हालात पैदा हो गए हैं जबकि भारत मे पेट्रोल व डीजल के दाम काफी स्थिर हैं। भारत में केवल घरेलू रसोई गैस के दामों में ही 60 रुपए की वृद्धि की गई है। भारत के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध से पैदा हुए संकट पर स्वयं नजर रख रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री तथा प्रधानमंत्री मोदी दुनियाभर के नेताओं के साथ संपर्क में हैं तथा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए नए मार्ग ढूंढ रहे हैं। अभी तक भारत केवल 27 देशों से ही तेल व गैस की खरीदता था किंतु अब 40 देशों के साथ क्रय सम्बन्ध बनाए जा रहे हैं।

विडंबना है कि विपक्ष इस संकट का उपयोग राजनीति के लिए कर रहा है। विपक्षी दल के नेता, आईटी सेल तथा कार्यकर्ता अपने आकाओं की शह पाकर अफवाह बाज बनकर सड़क पर आ गए हैं। बड़े नेता ऊपर संसद ठप कर रहे हैं और छोटे-बड़े जमाखोरों के साथ मिलकर आम जनमानस का पैनिक बटन दबाकर गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी कतारें लगवा रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी व उनकी सरकार की पहल का ही परिणाम है कि ईरान-अमेरिका-इजरायल जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से दो भारतीय जहाज शिवालिक और नंदादेवी 927000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे हैं। भारत सरकार व अधिकारियों के प्रयास से ही फारस की खाड़ी में सभी भारतीय सुरक्षित हैं। भारत के 253 नाविक अब तक सुरक्षित वापस आ चुके हैं। भारत सरकार ऊर्जा आपूर्ति और नागरिक सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों से स्पष्ट कर चुके हैं कि युद्ध का असर आम जनता पर नहीं पड़ना चाहिए। युद्धकाल में जो लोग भारत की विदेश नीति को फेल बताने वालों को स्मरण रखना चाहिए कि कि जब संघर्ष के कारण उड़ानें प्रभावित होने पर कई ईरानी नागरिक भारत में फंस गए थे भारत ने ही उन्हें ईरान की सहायता से उनके देश पहुँचाया। वहीं युद्ध के बीच 1.72 लाख भारतीय सकुशल भारत वापस आए हैं।

भारत सरकार युद्धकाल में जनता को कोई समस्या न हो इसके लिए लगातार कार्य कर रही है किंतु क्या हम सभी नागरिक अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं? परिस्थितियां इसका उत्तर नहीं में दे रही हैं। यदि नागरिक भी कर्त्तव्य बोध से बंधे होते तो आज देश में गैस सिलेंडर को लेकर जो पैनिक मचा हुआ है वह न होता। ऊर्जा संकट की आहट मात्र से अफवाह बाज सक्रिय हो गए और ऐसी अफवाहें उड़ाई गई कि जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई है। जिन घरों मे एक या दो भरे हुए एलपीजी सिलिंडर मौजूद हैं वो भी हल्ला मचा रहे हैं। प्रतिदिन होने वाली सिलिंडर बुकिंग 55 लाख से बढ़कर 75 लाख हो गई। देशभर मे अजीब नजारे देखने को मिल रहे हैं। जो परिवार 853 रुपए का गैस सिलेंडर खरीदने में भार का अनुभव करते थे अब वही लोग चोर बाजार से 3500 तक का सिलेंडर खरीदने की हैसियत दिखा रहे हैं।

समाज मे नैतिकता व सदाचार की कमी के कारण ही जमाखोरी व कालाबाजारी एक सामाजिक बुराई का रूप ले चुकी है। युद्धकाल में देशवासियों का एक बहुत बड़ा वर्ग कर्तव्य से विमुख होकर अपने लिए मुनाफे का अवसर खोज रहा है। अभी भारत का युद्ध से कोई सबंध नहीं है और यह युद्ध भारत से बहुत दूर हो रहा है तब भी जिस प्रकार का पैनिक भारत में हुआ है वह कुछ भारतीयों की ही विकृत मानसिकता को प्रदर्शित कर रहा है। संकट है किंतु अगर कुछ भी कर्त्तव्य बोध होता तो हालात बिल्कुल सामान्य ही रहते। अंततः अब सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारियों पर कार्यवाई आरम्भ कर दी है और उसके नतीजे भी सामने आने लगे हैं। ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध अभी काफी लंबा चलने की आशंका है तथा हालात अभी और भी खराब ही हो सकते हैं किन्तु भारत ही एकमात्र ऐसा राष्ट्र है जिसके लिए होमुर्ज स्ट्रेट का रास्ता खोला गया है। सरकार अपना काम कर रही है किंतु अब समय आ गया है कि भारतीय नागरिक भी अपने कर्तव्य का पालन करें और पैनिक न हों।

- मृत्युंजय दीक्षित

मिशन विसर्जन

अरे भैया राम-राम! क्या बताएँ, हमारे मोहल्ले के झुनझुनवाला जी का जो यूरेका-यूरेका है न, वो आर्किमिडीज वाला कम और बॉर्डर वाला सर्जिकल स्ट्राइक ज्यादा लगता है। आर्किमिडीज ने तो टब में बैठ के सिद्धांत खोजा था, पर हमारे झुनझुनवाला जी जब बाथरूम से मुस्कुराते हुए, हवा में मुक्का लहरा के निकलते हैं, तो समझ लो आज उन्होंने गुरुत्वाकर्षण को पटखनी दे दी है। मोहल्ले में सन्नाटा ऐसा रहता है जैसे वर्ल्ड कप के फाइनल में आखिरी गेंद पर छह रन चाहिए हों और स्ट्राइक पर खुद झुनझुनवाला जी का पेट खड़ा हो। सस्पेंस तो देखिए, कबाड़ी भाई हाथ में सिगरेट का बंडल और कड़क चाय की प्याली लेकर ऐसे टहलते हैं जैसे किसी सुसाइड मिशन पे जा रहे हों। बोले- ₹अरे लल्लन भैया, जब तक ई कैफीन की मिसाइल अंदर जाके धमाका नहीं करती, तब तक नीचे का गेटवे ऑफ इंडिया खुलता ही नहीं है!₹ उनके पेट को भी रिश्वत चाहिए, बिना 'पेमेंट' के वहां का ट्रैफिक सिग्नल लाल ही रहता है। अजीब स्थिति हैं भाई, कोई नाभि के पास सरसों का तेल रगड़ रहा है, तो कोई कहता है कि जब तक हम मोहल्ले के उस काले कुत्ते को दो बार जोर से डांट न लें, तब तक विसर्जन का भाव ही नहीं जागता।

हमारे हेडमास्टर चौरसिया जी का पेट तो भाई साहब एकदम उसूलों वाला है। जब तक दैनिक जागरण का संपादकीय पढ़ के दो-चार भ्रष्ट नेताओं को मन ही मन सस्पेंड न कर दें, तब तक कुदरत अपनी फाइल आगे नहीं बढ़ाती। चौरसिया जी का एडिटर जब तक खुश नहीं होता, तब तक वो एक इंच नहीं हिलते। वहीं दूसरी तरफ, खन्ना जी बाथरूम में जाकर किशोर कुमार के दर्द भरे नगमे गाते हैं। उन्हें लगता है कि मेरे नैना सावन-भादो गाने से अंदर की खुश्की सावन में बदल जाएगी। संगीत का ऐसा प्रेशर-कुकर उपयोग आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। उधर एडवोकेट साहब हैं, जो टॉयलेट की सीट पर बैठकर सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले और दलीलें पढ़ते हैं। उनका मानना है कि जब तक दिमाग पर लीगल प्रेशर नहीं पड़ता, तब तक कुदरत अपना फाइनल जजमेंट नहीं सुनाती। कोई सुबह-सुबह बायीं आंख मींचकर दायीं नाक से ऐसी लंबी सांस खींचता है जैसे सारा ब्रह्मांड अंदर भर लेगा, उसका दावा है कि इससे इंजन रिवर्स गियर से सीधा टॉप गियर में आ जाता है।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 26 मार्च 2026 गुरुवार
सूर्योदय - 06:29 सूर्यास्त 18:36
चैत्र मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 13:30 से 15:00 तक
तिथि - अष्टमी 11:48 उपरांत नवमी
नक्षत्र - आर्द्रा 16:18 उपरांत पुनर्वसु
योग - शोभन 25:31 उपरांत अतिगंड
करण - बव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मिथुन में रहेगा।
मुस्लिम मास - सव्वाल मास 06 तारिख

मेष- पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

वृषभ- सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन- शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। जल्दबाजी न करें।

कर्क- कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें।

सिंह- व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

कन्या- शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यस्तता रहेगी।

तुला- किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा।

वृश्चिक- किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा।

धनु- आय में निश्चितता रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी।

मकर- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ- कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी।

मीन- पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा (भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

संकट में संयम या स्वार्थ? -खाड़ी तनाव के बीच देशहित बनाम राजनीति का सवाल

राजेश कुमावत
(दैनिक अवन्तिका)

जब-जब दुनिया संकट के दौर से गुजरती है, तब असली परीक्षा केवल सरकारों की नहीं, बल्कि नागरिकों की चेतना, जिम्मेदारी और राष्ट्रभक्ति की भी होती है। आज वैश्विक परिदृश्य में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ता तनाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और संसाधनों को प्रभावित कर रहा है। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और संवेदनशील देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि जनमानस के धैर्य और राजनीतिक परिपक्वता की है।

यह वह समय है, जब हर नागरिक का छोटा-सा निर्णय-चाहे वह आवश्यकता से अधिक गैस सिलेंडर लेना हो या संयम रखना-देश की स्थिति को मजबूत भी कर सकता है और कमजोर भी। सवाल केवल संकट का नहीं है, सवाल यह है कि हम इस संकट में अपने राष्ट्र के साथ खड़े हैं या अपने स्वार्थ के साथ?

विश्व इतिहास में एक चर्चित प्रसंग है-द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जब ब्रिटेन में अंडों की कमी की आशंका बनी, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने नागरिकों से अपील की कि वे अंडे न खरीदें, क्योंकि यह सैनिकों के लिए आवश्यक हैं। कहा जाता है कि अगले ही दिन दुकानों पर भीड़ उमड़ी, लेकिन खरीदने के लिए नहीं, बल्कि अपने पास मौजूद अंडे लौटाने के लिए।

यह घटना केवल अनुशासन की नहीं, बल्कि उस राष्ट्रचेतना की प्रतीक है, जहां नागरिक संकट के समय स्वयं को नहीं, बल्कि देश को प्राथमिकता देते हैं।

आज खाड़ी क्षेत्र, विशेषकर मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव-जहां अमेरिका ईरान और इजरायल जैसे देश आमने-सामने हैं-ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित किया है। इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ना स्वाभाविक है। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं, और इसी के साथ समाज में अनावश्यक संग्रह की प्रवृत्ति भी देखने को मिल रही है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ऐसे संवेदनशील समय में भी देश की राजनीति अपने दायित्वों से विमुख होती दिखाई देती है। विपक्ष का कर्तव्य केवल प्रश्न उठाना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में सहयोग करना भी है। संकट के समय यदि राजनीतिक दल आपसी मतभेदों को किनारे रखकर एकजुटता का परिचय दें, तो यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है। किंतु जब आपदा को अवसर बनाकर केवल जनभावनाओं को भड़काने या वोट बैंक को साधने का प्रयास होता है, तो यह न केवल अनुचित है, बल्कि राष्ट्रहित के विरुद्ध भी है।

यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का है। यह समय भय फैलाने का नहीं, बल्कि विश्वास जगाने का है। और यह समय राजनीति का नहीं, बल्कि राष्ट्रनीति का है।

नागरिकों के लिए भी यह आवश्यक है कि वे संयम और समझदारी का परिचय दें। आवश्यकता से अधिक संसाधनों का संग्रह केवल दूसरों के अधिकारों का हनन ही नहीं, बल्कि संकट को और गहरा करने वाला कदम है। वहीं सरकार के लिए यह समय पारदर्शिता, त्वरित निर्णय और प्रभावी प्रबंधन का है, ताकि जनविश्वास बना रहे।

अंततः, राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी सीमाओं या संसाधनों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की सोच और उसके नेताओं की नीयत में निहित होती है। यदि हम हर संकट में एकजुट रहेंगे, तो कोई भी चुनौती हमें कमजोर नहीं कर सकती।

बातें बची हैं, पर बातचीत क्यों खत्म हो रही है?

कृति आरके जैन,
(दैनिक अवन्तिका)

आज हमारे पास शब्दों की कोई कमी नहीं है, कमी है उस सच्चाई, उस गहराई और उस आत्मीय स्पर्श की, जो शब्दों को साधारण बात से उठाकर सच्ची बातचीत में बदल देता है। हम दिन भर अनगिनत लोगों से बात करते हैं, संदेशों का आदान-प्रदान करते हैं, प्रतिक्रियाएँ देते हैं-फिर भी जब रात की खामोशी उतरती है, तो भीतर एक अजीब-सा खालीपन रह जाता है। यह खालीपन यूँ ही नहीं जन्म लेता, यह इस बात का साक्षी है कि बातें तो बहुत हुईं, पर बातचीत कहीं खो गई। क्योंकि बातचीत केवल शब्दों का मेल नहीं, बल्कि दो मनों, दो भावनाओं और दो आत्माओं का सच्चा जुड़ाव है-और जब यह जुड़ाव नहीं बनता, तो शब्द केवल शोर बनकर रह जाते हैं।

आज बातचीत के खत्म होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि हमने उसे एक औपचारिकता, एक आदत और एक रूटीन बना दिया है। क्या हाल है?, सब ठीक?, खाना खाया?-ये सवाल जरूरी जरूर हैं, लेकिन ये रिश्तों में जीवन नहीं भरते, ये सिर्फ उनकी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। असली बातचीत तब जन्म लेती है जब हम सतह से नीचे उतरते हैं, जब हम सच में जानना चाहते हैं कि सामने वाला कैसा है, उसके भीतर क्या चल रहा है, कौन-सी बातें उसे चुप कर रही हैं। और सबसे जरूरी-जब हम इन सवालों के जवाब सुनने के लिए ठहरते हैं, बिना जल्दबाजी, बिना औपचारिकता, पूरी संवेदनशीलता के साथ। हमारी सबसे बड़ी कमी यही है कि हम सुनना भूल गए हैं-हम सिर्फ जवाब देने के लिए इंतजार करते हैं। जब कोई अपनी बात कह रहा होता है, तब हमारा ध्यान उसकी भावनाओं पर नहीं, बल्कि अपने अगले शब्दों पर होता है। यही कारण है कि सामने वाला सुना हुआ नहीं, बल्कि अनदेखा और अनसुना महसूस करता है। यही अनदेखापन धीरे-धीरे एक गहरी दूरी में बदल जाता है, जो बिना शोर किए रिश्तों को कमजोर कर देता है और अंततः बातचीत को खत्म कर देता है। शायद अब समय आ गया है कि हम फिर से सीखें-कम बोलना नहीं, बल्कि सच में सुनना और दिल से जुड़ना।

डर और असुरक्षा भी बातचीत को गहराई तक पहुँचने से रोक देते हैं। हम अपनी सच्ची भावनाओं, अपने भीतर छिपे सच और अपनी नाजुक संवेदनाओं को व्यक्त करने से कतराते हैं-कहीं हमें गलत न समझ लिया जाए, कहीं हमारी कमजोरी उजागर न हो जाए, कहीं हमारी छवि टूट न जाए। इसलिए हम सुरक्षित शब्दों का सहारा लेते हैं, सतही बातें करते हैं, और अपने असली भावों को भीतर ही दबाए रखते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि जहाँ जोखिम नहीं होता, वहाँ सच्ची गहराई भी नहीं होती। बातचीत तब जीवंत और अर्थपूर्ण बनती है, जब हम अपने भीतर की सच्चाई को, अपनी अपूर्णताओं और असहजताओं के साथ, साहसपूर्वक सामने रखने का हौसला करते हैं।

तकनीक ने बातचीत को तेज, सुविधाजनक और हर पल उपलब्ध जरूर बना दिया है, लेकिन उसे गहराई और संवेदनशीलता नहीं दे पाई। टेक्स्ट, इमोजी और छोटे-छोटे संदेशों ने भावनाओं को सीमित और संक्षिप्त कर दिया है। हम तुरंत जवाब तो दे देते हैं, लेकिन उन शब्दों को महसूस करने, उन्हें समझने और उनके पीछे छिपे भावों को पकड़ने का समय नहीं लेते। जबकि सच्ची बातचीत को समय चाहिए, ठहराव चाहिए, और एक ऐसा धैर्य चाहिए जिसमें शब्दों के बीच की खामोशी भी सुनी जा सके। जब हर चीज जल्दबाजी में हो, तो बातचीत भी उसी जल्दबाजी की शिकार हो जाती है-और यही कारण है कि आज हम एक-दूसरे से जुड़े तो हैं, लेकिन वास्तव में समझे नहीं जाते।

धर्म-आस्था

जब-जब बिखरता समाज, तब-तब याद आते हैं श्रीराम

अमित राव
(दैनिक अवन्तिका)

या आज का समाज उस आदर्श की ओर अग्रसर है,जिसे हम ह्यरामराज्यह्न के नाम से जानते हैं,या हम उससे लगातार दूर होते जा रहे हैं? यह प्रश्न केवल दार्शनिक नहीं,बल्कि हमारे समय की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती भी है। श्री राम नवमी का पावन पर्व हमें इसी आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। त्रेतायुग में श्रीराम का अवतरण केवल एक धार्मिक घटना नहीं,बल्कि मानवता को दिशा देने वाला एक युगांतरकारी क्षण था। आज,जब समाज अनेक प्रकार के नैतिक और सामाजिक संकटों से जूझ रहा है,तब श्रीराम के आदर्श पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होते हैं।भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में जन्मे श्रीराम ने अयोध्या में राजा दशरथ और माता कौशल्या के यहाँ जन्म लेकर यह सिद्ध किया कि महानता वंश या वैभव से नहीं,बल्कि चरित्र और आचरण से निर्धारित होती है। उनके जीवन का प्रत्येक प्रसंग हमें यह सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है,जो स्वयं के हितों से ऊपर उठकर समाज और कर्तव्य को प्राथमिकता देता है। आज,जब नेतृत्व के अर्थ बदलते हुए दिखाई देते हैं,तब श्रीराम का जीवन एक आदर्श मानक प्रस्तुत करता है।

श्रीराम का वनवास केवल एक पारिवारिक निर्णय का परिणाम नहीं था,बल्कि यह त्याग,धैर्य और मयार्दा का सर्वोच्च उदाहरण है।पिता की आज्ञा का पालन करते हुए उन्होंने 14 वर्षों का वनवास बिना किसी विरोध के स्वीकार किया। यह प्रसंग आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण है,जब अधिकारों की मांग तो प्रबल है,किंतु कर्तव्यों के प्रति निष्ठा कम होती जा रही है। श्रीराम हमें यह सिखाते हैं कि जीवन में संतुलन तभी संभव है,जब अधिकार और कर्तव्य दोनों का समान रूप से सम्मान किया जाए।समाज में बढ़ती असमानताओं और विभाजनों के बीच श्रीराम का जीवन समरसता का संदेश देता है। वनवास के दौरान उन्होंने समाज के हर वर्ग को अपनाया और उनके साथ समान व्यवहार किया। शबरी के जूठे बेर स्वीकार करना केवल भक्ति का प्रसंग नहीं,बल्कि सामाजिक समानता का गहन संदेश है। यह घटना दशार्ती है कि सच्चा धर्म मनुष्यता में निहित है,न कि सामाजिक भेदभाव में। आज,जब समाज जाति, वर्ग और आर्थिक असमानताओं के कारण विभाजित होता जा रहा है,तब यह संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। ह्यरामराज्यह्न की अवधारणा भारतीय समाज में आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक रही है।

कहा जाता है कि श्रीराम के शासनकाल में प्रजा सुखी,सुरक्षित और संतुष्ट थी। न्याय,पारदर्शिता और उत्तरदायित्व उस शासन के मूल स्तंभ थे। आज के लोकतांत्रिक युग में भी ह्यरामराज्यह्न एक प्रेरणा के रूप में देखा जा सकता है। यदि शासन व्यवस्था में ईमानदारी,सेवा और जनकल्याण को प्राथमिकता दी जाए,तो आधुनिक समाज भी उस आदर्श के निकट पहुँच सकता है। यह केवल एक कल्पना नहीं,बल्कि एक लक्ष्य है,जिसे सही नीतियों और नैतिकता के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।परिवार,जो समाज की नींव होता है,आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। रिश्तों में स्वार्थ,अहंकार और असहिष्णुता बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में माता सीता और श्रीराम का संबंध हमें पारस्परिक सम्मान,विश्वास और त्याग का महत्व समझाता है। वहीं,भरत का उदाहरण यह दशार्ता है कि सच्चे संबंध सत्ता और स्वार्थ से ऊपर होते हैं। भरत ने सिंहासन को अस्वीकार कर अपने भाई के प्रति निष्ठा को सर्वोपरि रखा-यह त्याग आज के समाज में दुर्लभ होता जा रहा है।अहंकार,जो व्यक्ति के पतन का सबसे बड़ा कारण बनता है, आज के समाज में तेजी से बढ़ रहा है। रावण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वह अत्यंत विद्वान और शक्तिशाली था, किंतु उसका अहंकार ही उसके विनाश का कारण बना। इसके विपरीत,श्रीराम ने अपने सामर्थ्य और ज्ञान के बावजूद सदैव विनम्रता को अपनाया। यह हमें यह सिखाता है कि सच्ची महानता विनम्रता में ही निहित होती है,न कि अहंकार में।आज का युवा वर्ग जीवन की जटिलताओं और प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। करियर का दबाव,सामाजिक अपेक्षाएँ और व्यक्तिगत संघर्ष उन्हें निरंतर चुनौती देते हैं। ऐसे समय में श्रीराम का जीवन एक मार्गदर्शक के रूप में सामने आता है। उनका धैर्य, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा यह सिखाते हैं कि कठिनाइयों से भागने के बजाय उनका सामना करना ही सच्ची सफलता की पहचान है।

इन्दौर मंडी भाव

इंदौर मंडी भाव चना कांटा 5550 से 5625 विशाल 5400 से 5450 महाराष्ट्र विशाल 5500 से 5525 मसूर 5900 से 5950 महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7600 महाराष्ट्र लाल 7700 से 7800 कर्नाटक 8000 से 8200 निमाड़ी नई तुअर 7000 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी 7700 से 8000 मूंग बेस्ट बोल्ड 8200 से 8400 एवरेज 6500 से 6700 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8500 से 9000 एवरेज 7000 से 8000 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7400 से 8500 काबुली रशियन 5300 से 5600 बिटकी 5000 से 5300 सरसों (मीडियम) 6600 से 6800 निमाड़ी 5700 से 6000 रायडा नया 5800 से 6000 पुराना -6200 से 6400 सोयाबीन 5500 से 5700 अलसी 6800 से 7000 तिल्ली 7000 से 8000 गेहूं मिल क्वालिटी 2350 से 2400 लोकवन 2600 से 2800 पूर्णा 2500 से 2550 मालवराज 2400 से 2450 मक्का 1800 से 1850 चना दाल 7100 से 7200 मीडियम 7300 से 7400 बेस्ट 7600 से 7800 तुअर दाल 7700 से 7900 मीडियम 8900 से 9100 बेस्ट 10100 से 10300 एक्स्ट्रा बेस्ट 11100 से 11200 ब्रांडेड 12300 मूंग दाल 9400 से 9500 बेस्ट 9900 से 10100 मूंग मोगर 9850 से 10050 बेस्ट 10150 से 10250 उड़द दाल 10100 से 10300 बेस्ट 10600 से 10800 उड़द मोगर 11100 से 11300 बेस्ट 11400 से 11700 मसूर दाल 7650 से 7750 बेस्ट 7850 से 7950 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1000 से 1200 ज्योति पुराना 900 से 1200 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 500 से 700 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1400 से 1500 पुराना 1000 से 1200 एवरेज 600 से 700 गोल्टा 600 से 700 गोल्टी 400 से 500 रुपए प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एवरेज 7000 से 8000 सुपर 8000 से 9000 एक्स्ट्रा सुपर 9000 से 10200 रुपए क्विंटल रही। नई देशी लहसुन एवरेज 4000 से 4500 सुपर 4500 से 5500 एक्स्ट्रा सुपर 5500 से 6500 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1750-3057 चना काबली- 3200-8000, चना बड़ा- 4970-8000, रायड़ा- 5561-5756, बटला- 1601-3554, सोयाबीन- 3202-5990, तुअर- 2400-4601 मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,47,500, रवा- 1,47,400 चांदी- टंच- 2,27,000 पाट- 2,26,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

सरस्वती शिशु मंदिर के स्कूली बच्चों की स्थानीय परीक्षाओं का हुआ समापन

महिदपुर रोड। नगर के सर स्वती शिशु मंदिर सहित झुटावद सं कुल केंद्र के अंतर्गत आने वाले सभी छ शिशु मंदिरों के स्कूली बच्चों की 9 मार्च सोमवार से प्रारंभ हुई स्थानीय परीक्षाएं 24 मार्च मंगलवार को खत्म हो गई। सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य रामेश्वर परमार तथा झुटावद संकुल केंद्र के प्रभारी राजेंद्र सिंह राजावत ने जानकारी देते हुए बताया संकुल केंद्र के अंत गत आने वाले सभी छः सरस्वती शिशु मन्दिरों में 9 मार्च से स्कूली बच्चों की वार्षिक परीक्षाएं जिनमें कक्षा छठी सातवीं तथा नौवीं व ग्यारहवीं कक्षाओं के स्थानीय प रीक्षा नाम है प्रारंभ हुई थी जो 24 मार्च मंगलवार को कक्षा छठी अं ग्रेजी कक्षा सातवीं विज्ञान कक्षा 9वी गणित कक्षा ग्यारहवीं राज नीति-अर्थशास्त्र विषय के अंतिम प्रश्न पत्रों के साथ समाप्त हो गई । विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा वार्षिक परी क्षाओं के साथ- साथ उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी निरंतर किया जा रहा है प्रतिष्ठा के जारी परीक्षा समय चक्र के अनुसार 30 मार्च सोमवार को स्थानीय परीक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये जायेगे।

शासकीय श्री वराह मिहिर विद्यालय में पालक शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन

कायथा । श्री वराह मिहिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायथा में नवीन शिक्षण सत्र 2026 27 हेतु पालक शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन किया गया बैठक में विशेष रूप से 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण के संबंध में जानकारी प्रदान करने तथा बालकों की सहमति व सहभागिता सुनिश्चित करने तथा नवीन प्रवेश उत्सव की तैयारी निशुल्क साइकिल वितरण कक्षा नौवीं एवं ग्यारहवीं के परीक्षा फल की समीक्षा की गई मीटिंग में एसएमसी अध्यक्ष राधेश्याम डडानिया,प्राचार्य प्रकाश कुमार,नवीन राज सिंह,हेमंत सुनानिया,नितेश परमार,संतोष राठौड़,जितेंद्र कुमार काशनिया,उपस्थित थे उक्त जानकारी संस्था के शिक्षक जगदीश चंद्र परमार द्वारा दी गई

हनुमान जयंती पर सामूहिक सुंदरकाण्ड का अद्‌भुत आयोजन

महिला, बच्चे, युवाओं में सुंदरकाण्ड पाठ को लेकर अपार उत्साह

ब्यावरा। श्रीअंजनीलाल मंदिर धाम पर श्रीहनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर सामुहिक सुंदरकाण्ड के रूप में लगातार चौथी बार अद्धुत आयोजन होगा। नगर में इस भव्य और अद्धभुत आयोजन

को लेकर महिला, बच्चे, युवाओ में सुंदरकाण्ड पाठ को लेकर अपार उत्साह देखने को मिलता है। सुन्दरकाण्ड पाठ सुंदर लय व ताल के साथ बिना रूके, बिना थके, बिना भजनों के अद्वितीय होगा। श्री अंजनीलाल मंदिर धाम पर आयोजित होने वाले इस अनूठे धार्मिक आयोजन के प्रति आम लोगो में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है. कार्यक्रम में ट्रस्ट परिवार द्वारा आम श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया है। संगीत की धुन के बीच शांत माहौल में जब एक साथ सैकड़ों लोग अपने स्वर से सुंदर चौपाईयों का गान करटे है तो माहौल बड़ा ही आनंददायी होता है। श्री हनुमान जयंति पर आयोजित सामुहिक सुंदरकाण्ड में आम व्यक्ति, महिला वर्ग, बच्चों को भी आमंत्रित किया है। महिलाओं, पुरूषो के बैठने की पृथक-पृथक व्यवस्था होगी। मंदिर ट्रस्ट परिवार द्वारा इसके लिए पंजीयन मंगलवार से शुरू किया जायेगा। पंजीयन मंदिर धाम पर होगा। पंजीकृत श्रद्धालुओं के लिय अलग से बैठक, आरती, प्रसादी आदि की व्यवस्था की जायेगी। पंजीकृत श्रद्धालुओं की संख्या 251 निर्धारित की गई है। सामुहिक सुंदरकाण्ड पाठ के लिये उत्साह देखने को मिल रहा है।

सुनहरी गेट पर मरम्मत करने के बजाय चूरी डाली, गिरने का खतरा

आष्टा। नगर के सुनहरी किला गेट पर नगर पालिका द्वारा लंबी चौड़ी सड़क खोदी थी। जिसकी बाद में मरम्मत करने की बजाए गिट्टी की चूरी डाल दी। जबकि इसी मार्ग पर बड़ी घाटी होने की वजह से वाहन चलाना मुश्किल होता है। उसके बाद भी इसकी मरम्मत को लेकर नजर अंदाज किया गया है। जिससे बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती है। रोजाना आने -जाने वाले आम नागरिकों व मंदिर दर्शन करने वाले 4,5, लोग गिट्टी की इस चूरी के कारण गिर रहे है। नगर पालिका किले की घाटी के इस मार्ग को व्यवस्थित कराएं। यहां पर 24 घंटे वाहनों का आवागमन बना रहता है।

पारिवारिक विवाद के बीच क्रॉस केस दर्ज

मकान कब्जे को लेकर महिलाओं ने दंपत्ति को पीटा, ताला तोड़कर घुसीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

ओम साईं विहार इलाके में मंगलवार को महिलाओं के एक समूह ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि उन्होंने एक मकान पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की और मकान मालिक धीरेंद्र सिंह व उनकी पत्नी के साथ मारपीट की।

पीथमपुर से आईं सलोनी सिंह, सरिता सिंह और लगभग 10 अन्य महिलाएं लाठी-डंडों के साथ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने मकान का ताला तोड़कर जबरन अंदर प्रवेश किया और धीरेंद्र सिंह से मारपीट की।

जानकारी के अनुसार, मुख्य आरोपी सलोनी सिंह, धीरेंद्र सिंह के बड़े भाई की पत्नी हैं। उनका तलाक का मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन है। ओम साईं विहार स्थित इस मकान को लेकर पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा है।

घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद

मारपीट की यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में महिलाएं ताला तोड़कर अंदर घुसते और हंगामा करते हुए साफ नजर आ रही हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, औद्योगिक थाना क्षेत्र पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर मामले में क्रॉस रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली पुलिस ने किया बाइक चोरी का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शहर की कोतवाली पुलिस ने 16 मार्च को बेरछा रोड स्थित सरदार पटेल गार्डन से हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले को सुलझाते हुए मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई बाइक के पुर्जे और एक अन्य बिना कागजात की संदिग्ध मोटरसाइकिल बरामद की गई है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक चोरी की बाइक के पाट्‌र्स लेकर शाजापुर की ओर आ रहे हैं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने लाहौरी गांव के पास घेराबंदी की और दोनों संदिग्धों को धर दबोचा। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बबलू उर्फ बनवीर (28 वर्ष) निवासी ग्राम जरखी और यूनुस शाह (28 वर्ष) निवासी ग्राम सकराई के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की गई बाइक के पाट्‌र्स के अलावा एक और मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसके वैध दस्तावेज आरोपी पेश नहीं कर सके। गौरतलब है कि उमियाधाम कॉलोनी निवासी फरियादी अमित कुमार नायक ने 16 मार्च को थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी ने बताया था कि सरदार पटेल गार्डन में एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान पार्किंग से उनकी बाइक चोरी हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने पर एक व्यक्ति बाइक ले जाते हुए नजर आया था, जिससे पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में अहम मदद मिली। फिलहाल मामले में पुलिस की आगे की जांच जारी है।

महिदपुर में 11वां परशुराम जन्मोत्सव

बैठक में तय हुई रूपरेखा, विभिन्न आयोजनों पर चर्चा

महिदपुर। प्रतिवषार्नुसार ब्राह्मण समाज महिदपुर-झारड़ा क्षेत्र द्वारा इस वर्ष 11वां परशुराम जन्मोत्सव एवं चल समारोह मनाया जाएगा। आयोजन की रूपरेखा एवं कार्यक्रम तय करने के लिए 22 मार्च, रविवार को श्रीराम मंदिर औदीच्य ब्राह्मण समाज धर्मशाला, जेल रोड महिदपुर में बैठक आयोजित की गई। बैठक में परशुराम जन्मोत्सव के साथ होली मिलन समारोह, हिंदू नववर्ष समारोह सहित अन्य सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। समाज के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रीय प्रभारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जन्मोत्सव आयोजन के संयोजक के रूप में सत्यनारायण शर्मा पेटलावद को दायित्व दिया गया। वहीं महिदपुर नगर प्रभारी संजय व्यास, महिला नगर प्रभारी उमा पांडे, झारड़ा क्षेत्र प्रभारी विकास उपाध्याय, नागपुरा-महिदपुर रोड क्षेत्र प्रभारी चंद्रशेखर पंड्या तथा झुटावद-घौंसला क्षेत्र प्रभारी नीतेश मेहता (पलवा) को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। संचालन महेश रावल ने किया। आभार कमलेश उपाध्याय ने माना। आयोजन से संबंधित जानकारी प्रदीप पंड्या (कढ़ाई) द्वारा दी गई। बैठक में समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने एवं आयोजन को बनाने का आह्वान किया गया।

शिकायतों के त्वरित व समयबद्ध समाधान के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

नवागत एसपी हितिका वासल ने जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर दिखाई संवेदनशीलता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के सशक्त एवं संवेदनशील नेतृत्व में मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम स्थित सभागृह में जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

जनसुनवाई में जिले के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं आवेदन पुलिस अधीक्षक श्रीमती वासल के समक्ष प्रस्तुत किए। श्रीमती वासल ने प्रत्येक फरियादी की बात को गंभीरता, धैर्य एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके प्रकरणों के शीघ्र, निष्पक्ष एवं विधिसम्मत निराकरण हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों को त्वरित न्याय, राहत एवं विश्वास प्रदान करना है, ताकि पुलिस एवं जनता के बीच संबंध और अधिक सुदृढ़ हो सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक प्रकरण का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की सतत मॉनिटरिंग की जाए, जिससे आमजन को समय पर राहत मिल सके और पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो।

जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर अपराध, लंबित विवेचनाएं तथा पुलिस कार्यवाही से संबंधित अनेक प्रकरण सामने आए। कुछ मामलों में पुलिस अधीक्षक द्वारा मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए गए, वहीं अन्य मामलों में संबंधित थाना प्रभारी एवं अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

नकली मैंगो जूस बनाते व्यक्ति पकड़ा, हानिकारक केमिकल जब्त कार्रवाई जारी

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नकली मैंगो जूस बनाते एक व्यक्ति को पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान रतीलाल सोनकर निवासी जौनपुर उत्तर प्रदेश को आर्टिफिशियल स्वीटनर सक्रीन, रंग, शक्कर व चासनी का उपयोग कर मैंगो जूस तैयार करते हुए पाया गया। मौके से मैंगो जूस, शक्कर चासनी एवं सक्रीन के नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। साथ ही लगभग 5 किलो आर्टिफिशियल स्वीटनर सक्रीन जब्त किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है। जांच में यह भी पाया गया कि संबंधित व्यक्ति बिना वैध खाद्य लाइसेंस के जूस तैयार कर रहा था। इस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत पंचनामा बनाकर कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि गर्मी के मौसम में बाहरी राज्यों से कई लोग जिले में मैंगो जूस के ठेले लगाते हैं, जिनमें कुछ लोग रंग, केमिकल एवं अखाद्य पदार्थों का उपयोग कर आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं। कलेक्टर के निर्देशन में जिले में इस प्रकार की जांच लगातार जारी है और मिलावट करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अचलेश्वर धाम में अखंड रामायण

इंगोरिया। अचलेश्वर महादेव मंदिर पर नवरात्रि महोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर नौ दिवसीय अखंड रामायण पाठ चल रहा है। रामनवमी पर समापन होगा। दशहरा पर्व पर प्रतिवषार्नुसार मंदिर प्रांगण पर विशाल कन्या भोजन और भंडारा रखा गया है। संस्थापक पंडित कोमल दास चतुवेर्दी की प्रेरणा से थाना परिसर इस शिव धाम पर सावन में पूरे एक माह तक, मकर संक्रांति से महाशिव रात्रि तक 45 दिवसीय अखंड रामायण, चैत्र नवरात्रि में नौ दिन और शारदीय नवरात्र में भी नौ दिन तक अखंड रामायण पाठ का आयोजन सतत 43 वर्षों से चला आ रहा है।

बकायादारों पर बिजली कंपनी का डंडा, उपभोक्ताओं में मचा हड़कंप

शाजापुर। सालों से बिजली के बिलों को नजरअंदाज कर रहे डिफाल्टरों पर अब विद्युत वितरण कंपनी ने नरमी छोड़कर सख्त रुख अपना लिया है। बकाया वसूली के लिए कंपनी अब सीधे जब्ती की कार्रवाई पर उतर आई है, जिससे बिल न भरने वाले उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया है। कार्रवाई मुख्य रूप से ग्राम आला उमरोद, पिपलिया गोपाल, धारा खेड़ी पूर्वी और धारा खेड़ी पश्चिम में की गई।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सुश्री आयुषी सोनी पिता श्री ज्ञानकुमार सोनी निवासी 38/3, वराही माता की गली, कार्तिक चौक, उज्जैन की ओर से है कि उनका एक भूखण्ड कमांक ई-9, EWS, ब्लाक-सी, स्थित तिरूपति ड्रीम्स, ग्राम दाउदखेड़ी, तहसील व जिला उज्जैन में स्थित है जिसकी चतुर्सीमा पूर्व सड़क कालोनी की, पश्चिम-कालोनी की बाउण्ड्रीवाल, उत्तर- कालोनी की बाउण्ड्रीवाल व दक्षिण- भूखण्ड कमांक ई-08 है। उक्त भूखण्ड की चैन रजिस्ट्री जो कि विक्रेता मेसर्स तिरूपति ईस्टेट, उज्जैन अधिकृत व्यक्ति श्री अमित कावडिया केता हेमेन्द्र यादव पिता विनोद यादव के नाम की होकर जिसका उप-पंजीयक कार्यलय उज्जैन का ई-पंजीयन क्रमांक MP432022021-A1813308 दिनांकित 22.09. 2021 है। उक्त मूल रजिस्ट्री मेरे पक्षकार से दिनांक 15.03.26 को फ्रीगंज या उज्जैन क्षेत्र में कहीं गिर गई है। जो ढूँढने पर भी नहीं मिल रही है।

अतः इस जाहिर सूचना पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त मूल रजिस्ट्री किसी को भी प्राप्त होवे तो वह रजिस्ट्री का दुरूपयोग न करे व तत्काल मेरे पक्षकार को देवें या मेरे कार्यलय में 3 दिनों में आकर जमा करें सो सूचित है। इति दिनांक- 25.03.2026

सौरभ मंगल, हाईकोर्ट एडवोकेट
122 सीनियर एम.आई.जी. इन्दिरा नगर,
आगर रोड़, उज्जैन मोबा. 9424892503

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने विक्रेता मूल भूमि स्वामी कलाबाई पति रामचंद्र जी, धर्मेन्द्र पिता रामचंद्र जी, गायत्री पिता रामचंद्र जी, भगवतीप्रसाद पिता रामचंद्र जी, जाति नाई निवासी कचनारिया तहसील तराना जिला उज्जैन मध्यप्रदेश से उनके स्वामित्व, स्वत्व एवं अधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नम्बर 142/1/2/1 रकबा 0.10 आरे कुल किता 01 कुल विकित रकबा 0.10 आरे लगानी स्थित ग्राम रलायती प.ह. नंबर 109 तहसील घटिया जिला उज्जैन मध्यप्रदेश को क्रय करने का सौंदा चिट्ठी पत्रक किया होकर बयाना राशि अदा कर दी है। अब शेष विक्रय धन अदा कर विक्रय अनुबंध पत्र व विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना शेष है। यदि उक्त वर्णित कृषि भूमि पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासन या बैंक अथवा अन्य किसी का भी किसी प्रकार का कोई ऋण, भार अथवा कोई व्यवहार किसी भी प्रकार का हो, अथवा उक्त सम्पत्ती किसी को रहन या अन्य किसी भी प्रकार से अन्तरित या ऋण भारित की हुई हो या किसी भी व्यक्ति की कोई लेनदारी आदि हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 (सात) दिवस की अवधि में मय लिखित प्रमाण मुझसे मेरे कार्यालयीन समय में आकर सम्पर्क करें एवं अपना दावा एवं आपत्ती रखें। अन्य दशा मैं बाद अवधि मेरे पक्षकार द्वारा उक्त कृषि भूमि का विक्रय पत्र सम्पादन अपने हित में करवा लिया जावेगा । व कोई आपत्ती मान्य नहीं होगी सूचित हो। इति दिनांकः 24-03-2026

कमलसिंह यादव (सर्विस प्रोवाईडर)
तहसील कार्यालय घट्टिया, जिला उज्जैन
मोबाईल 94248 14613

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार ए.यू. स्मॉल फायनेंस बैंक लिमिटेड श्रीमाया स्क्वेयर 62 क्षपणक मार्ग माधवनगर अस्पताल के सामने उज्जैन की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि भूखण्ड क्रमांक 134 स्थित तिरूपति प्लेटिनम ब्लॉक-ए ग्राम दाउदखेड़ी प.ह.न. 37 तहसील व जिला उज्जैन म.प्र. मे स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 66.89 वर्गमीटर है। जिसके पूर्व में- रास्ता कॉलोनी का, पश्चिम में- भूखण्ड़ क्रमांक 185, उत्तर मे- भूखण्ड क्रमांक 135 तथा दक्षिण में- भूखण्ड क्रमांक 133 स्थित हैं। तथा उक्त संपत्ति मोनु गुर्जर पिता श्री रामसिंह गुर्जर एवं शर्मिला पति श्री रामसिंह गुर्जर ने इसके पूर्वस्वामी मोहित कुमार प्रजापति पिता श्री दिनेश कुमार प्रजापति से रजि. विक्रय पत्र क्रमांक MP432022022A1880230 दिनांक 26/08/2022 के माध्यम से क्रय कि। एवं मोनु गुर्जर का स्वर्गवास दिनांक 27/03/2023 को हो जाने के पश्चात उक्त संपत्ति के स्वामी श्रीमति शर्मिला पति श्री रामसिंह गुर्जर हुये। एवं श्रीमति शर्मिला ने उक्त संपत्ति पर ऋण प्राप्त करने हेतु ए.यू. स्मॉल फायनेंस बैंक लिमिटेड उज्जैन में आवेदन किया हैं तथा मेंरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति बंधक करने जा रहे हैं, अतः सूचित किया जाता हैं कि यदि उक्त सम्पत्ति में अन्य किसी का कोई हक, हित, हिस्सा, अधिकार आदि हो या उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, व्यक्ति, प्राइवेट संस्था, पैढी आदि का कोई लेना-देना बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व या कब्जे के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो या परिवार के किसी सदस्य को आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के दिनांक से सात दिवस की अवधि के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय लेखी प्रमाण के विधिवत रूप से मेंरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ताकि उसका उचित निराकरण करवाया जा सकें। उक्त अवधि में कोई आपत्ति नहीं आने पर ए.यू. स्मॉल फायनेंस बैंक लिमिटेड उज्जैन द्वारा उक्त सम्पत्ति पर ऋण स्वीकृत करने हेतु आगामी कार्यवाही की जावेगी। तथा ऋण स्वीकृत किया जाने की दशा में उक्त सम्पत्ति पर प्रथम ऋण भार ए.यू. स्मॉल फायनेंस बैंक लिमिटेड उज्जैन का रहेगा। बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी । सूचित हो ।

तेजपाल परिहार एडवोकेट
ऑफिस क्रमांक 11, भवन क्रमांक 87/3 तुलसी
कॉम्पलेक्स विक्रम मार्ग टॉवर चौराहा फ्रीगंज, उज्जैन
मोबाइल न. 9301860352

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी *जितेन्द्र सिंह पिता श्री सजन सिंह जाति राजपूत निवासी व कृषक ग्राम भूतिया तहसील घटिया जिला उज्जैन म0प्र0* ने अपने हक हिस्से व स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि *सर्वे नबंर 7 व सर्वे नबंर 8 रकबा 3.19 हैक्टर मे से रकबा 0.60 हैक्टर बरूख पश्चिम दिशा की भूमि, कुल किता 02 कुल रकबा 0.60 हैक्टर भूमि स्थित ग्राम भूतिया प0ह0न0 00105 तहसील घटिया जिला उज्जैन मध्य?प्रदेश* में स्थित होकर उपरोक्त भूमि को विक्रय एवं विनिमय करने का अनुबंध पत्र किया होकर क्रेता पक्ष से बयाना राशि प्राप्त कर ली होकर शेष बकाया धन राशि प्राप्त कर उक्त भूमि विक्रय पंजीयन क्रेता पक्ष के नाम से करवाना शेष है। यदि उक्त भूमि पर किसी भी व्यक्ति बैंक अथवा अन्य ऋण भार अथवा कोई व्यवहार किसी प्रकार का हो अथवा उक्त सम्पत्ति को रहन या अन्य प्रकार से अन्तरित या ऋण भारीत की हो या किसी भी व्यक्ति को ऋणदायरी आदि हो तो इस जाहिर सुचना के प्रशसन से (05) पांच दिवस की अवधि में मय लिखित प्रमाण मुझसे मेरे कार्यालय के समय मैं आकर सम्पर्क करे एवं अपना दावा एवं आपत्ति रखे अन्य दशा में बार अवधि मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि का विक्रय पत्र क्रेता पक्ष कार द्वारा सम्पादन अपने हित में करवा लिया जायेगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी सुचित हो।

इति दिनांक - 25-03-2026

राकेश शर्मा (सर्विस प्रोवाईडर)
तह कार्यालय के सामने बस स्टेंड दुकान क्रमांक 07 ग्राम घटिया
जिला उज्जैन मो.नं. 8719997462, 9584898788

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार दुर्दमनसिंह पिता स्व. श्री देवीसिंहजी चौहान निवासी भदेड मय चक तहसील व जिला उज्जैन का पुत्र जयप्रतापसिंह को उसका आचरण ठीक नहीं होने के कारण उसे घर से अलग कर दिया है, उसके द्वारा किसी भी प्रकार का कोई व्यवहार किसी से किया जाता है तो उससे मेरे पक्षकार दुर्दमनसिंह तथा उनकी बहन मधु चौहान की किसी प्रकार की कोई जवाबदारी नहीं रहेगी। कृपया सूचित हो।

इति दिनांक- 25/03/2026 ई., स्थान उज्जैन

(मदनलाल दुग्गड़) अभिभाषक
1. युवराज लाईब्रेरी की गली, छत्रीचौक, उज्जैन
फोन 94253-80339

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार जितेन्द्र माली पिता विष्णु माली जाति माली निवासी हनुमान बाग दत्त अखाडा बड़नगर रोड उज्जैन ने उनके दादा देवचन्द्रजी से उनके पिता विष्णुप्रसाद, रमेशचन्द्रजी माली बाबूलालजी माली पुत्रगण देवचन्द एवं भूरीबाई पुत्री देवचन्द्र जाति माली निवासी हनुमान बाग दत्त अखाड़ा बडनगर रोड उज्जैन के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की पैतृक कृषि भूमि सर्वे नं. 2755 रकबा 0.282, हैक्टेयर सर्वे नंबर 2756 रकबा 0.021 हैक्टेयर सर्वे नंबर 2757 रकबा 0.0730 हैक्टेयर सर्वे नंबर 2768/1 रकबा 0.340 हैक्टेयर सर्वे नंबर 2776/1 रकबा 0.2400 सर्वे नंबर 2776/2 रकबा 0.2090 सर्वे नंबर 2777/1 रकबा 0.0630 हैक्टेयर सर्वे नंबर 2777/2 रकबा 0.0310 हैक्टेयर सर्वे नंबर 2780 रकबा 0.0420 हेक्टयर सर्वे नं. 2781 रकबा 0.0420 हेक्टेयर सर्वे नं. 2782 रकबा 0.0210 हैक्टेयर कुल किता 11 कुल रकबा 1.3640 हैक्टेयर कस्वा उज्जैन हनुमान बाग दत्त अखाडा उज्जैन में स्थित है। उक्त कृषि भूमि पैतृक सम्पत्ति होकर मेरे पक्षकार जितेन्द्र पिता विष्णु माली का सहदायिकी अंश है, और उक्त भूमि का बंटवारा नहीं हुआ है। उक्त संपत्ति पैतृक संपत्ति होकर संयुक्त परिवार की संपत्ति है। मेरे पक्षकार ने उक्त भूमि पर अपने पिता से अपने हिस्से की मांग की थी किंतु उनके द्वारा मना करने पर मेरे पक्षकार ने एक वाद वास्ते घोषणा स्थायी निषेधाज्ञा एवं बंटवारा किये जाने हेतु माननीय न्यायालय व्यवहार न्यायाधीश महोदय कनिष्ठ खण्ड उज्जैन के न्यायालय में प्रस्तुत किया जो आरसीएस ए नंबर 532/25 का विचाराधीन होकर उक्त वाद मे वादी के पक्ष मे एवं प्रतिवादी अर्थात मेरे पक्षकार के पिता व काका व बुआ के विरूद्ध अस्थायी निषेधाज्ञा दिनांक 24-2-2026 को जारी की गई है और माननीय न्यायालय द्वारा यह आदेश पारित किया गया है कि मेरे पक्षकार द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश 39 नियम 1 व 2 का स्वीकार किया जाकर मेरे पक्षकार के पक्ष में एवं प्रतिवादीगणों के विरूद्ध इस आशय की निषेधाज्ञा जारी की गई है कि प्रतिवादीगण प्रकरण के निराकरण तक उपरोक्त कृषि भूमि का विक्रय, अंतरित, हस्तांतरित, ऋणग्रस्त व भारग्रस्त करने का प्रयास नही करे। अतः इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति, संस्था, सहकारी संस्था बैंक आदि उपरोक्त वर्णित कृषि के संबंध मे कोई सव्यवहार नही करे और यदि किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार किया जाता है तो वह माननीय न्यायालय के आदेश के पालन में मेरे पक्षकार पर बंधनकाकर नही होगी। सूचित हो। इति दिनांक 25-3-2026

ममता जोशी एडवोकेट
चेम्बर नंबर 12 नई कोर्ट परिसर कोठी पैलेस उज्जैन
मोबा. 89894-50826

केवट समाज ने निकाला चल सामरोह निषादराज देव की जयंती मनाई

शुजालपुर। सिटी क्षेत्र में सोमवार को मांझी केवट समाज शुजालपुर ने अपने आराध्य देव निषादराज की जयंती उत्साह के साथ मनाई। जयंती अवसर पर समाजजनों ने जमधड़ नदी के किनारे स्थित हनुमान गढ़ी मंदिर से दोपहर को चल समारोह निकाला। जिसमें भगवान निषादराज की झांकी को आकर्षक रूप से सजाकर पालकी में विराजित किया गया। यह चल समारोह बस स्टेंड सिटी,महांकाली मंदिर चौराहा, बडा बाजार, छोटा बाजार से गुजरा। इस दौरान विभिन्न संगठनों ने पुष्प वर्षा कर चल समारोह में शामिल समाजजनों का अभिनंदन किया। चल समारोह उपरांत महाआरती व प्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

पाठशाला के बच्चों ने की धार्मिक यात्रा

बडनगर। राजेंद्र जयंत पाठशाला के बच्चों शिक्षकों एवं समिति के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध जैन तीर्थ अभ्युदयपुरम एवं हासमपुरा की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान बच्चों द्वारा प्रभु पूजा, आरती, अष्टप्रकारी पूजन की गई साथ ही पाठशाला के बच्चों द्वारा ही प्रभु आरती एवं अन्य बोलियां बढ़-चढ़ कर लेकर अपनी प्रभु भक्ति एवं समर्पण का परिचय दिया। इस यात्रा के दौरान बच्चों के गेम्स एवं धार्मिक प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। जिसमें सभी बच्चों ने भाग लिया तथा विजेता बच्चों को समिति ने पुरस्कृत किया गया। सभी बच्चों ने धार्मिक यात्रा में अपने अनुभव साझा करते हुए पाठशाला में संस्कारों का ग्रहण किस प्रकार हो एक दूसरे को बताए साथ ही यह शपथ ग्रहण की गई की पाठशाला में एकाग्रता से पढ़ाई करने का संकल्प लिया। पाठशाला समिति के सदस्य संजय औरा ने बताया कि प्रतिवर्ष बच्चों को इस तरह की धार्मिक यात्राएं कराई जाती है ताकि वह आध्यात्मिक की ओर जुड़कर अपने जीवन लक्ष्य को प्राप्त कर सके। राजकुमार नाहर ने बताया कि साठ बच्चों एवं शिक्षकों एवं समिति सदस्यों द्वारा यह यात्रा पूर्ण की गई तथा पूर्ण रूप से अनुशासित रहते हुए सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि जीवन में अधिक से अधिक तीर्थ की यात्रा कर पुण्य का लाभ लेंगे।

सहकारी समिति कर्मचारियों का अल्टीमेटम

25 मार्च तक मांगे पूरी नहीं हुई तो 1 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल

सुसनेर। म.प्र. सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि 25 मार्च 2026 तक उनकी चार सूत्रीय मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो 1 अप्रैल से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। इस दौरान प्रदेश की 4523 पैक्स सहकारी संस्थाएं और करीब 22,500 उचित मूल्य की दुकानें बंद रहेंगी। महासंघ के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के नाम ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर शासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। महासंघ ने अपनी प्रमुख मांगों में समिति प्रबंधकों की कैडर भर्ती में 60 प्रतिशत पद संस्था कर्मचारियों के लिए आरक्षित कर चयन प्रक्रिया शुरू करने, अक्टूबर 2023 से बढ़े हुए वेतन का भुगतान करने, विक्रेताओं का 18 माह का ?54,000 बकाया कमीशन जारी करने तथा कनिष्ठ विक्रेताओं की परिवीक्षा अवधि समाप्त कर उन्हें पूर्ण विक्रेता का दर्जा देने की मांग शामिल की है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि समयसीमा में निर्णय नहीं लिया गया तो प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, कंप्यूटर ऑपरेटर और विक्रेता काम बंद कर धरने पर बैठ जाएंगे।

अफवाहों से पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़, पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं-तहसीलदार

जीरापुर। नगर में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाहों के चलते मंगलवार रात से ही पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी कतारें देखने को

मिलीं। बुधवार सुबह भी कई पेट्रोल पंपों पर बड़ी संख्या में लोग वाहनों में ईंधन भरवाने के लिए लाइन में खड़े नजर आए। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण कुछ समय के लिए अव्यवस्था की स्थिति भी बन गई। स्थिति को देखते हुए प्रशासन भी मौके पर मुस्तैद रहा। नगर के पेट्रोल पंपों पर पहुंचे तहसीलदार जीरापुर आरपी सिंह ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने बताया कि नगर में पेट्रोल और डीजल की किसी प्रकार की कोई किल्लत नहीं है, बल्कि अफवाहों के कारण लोगों में घबराहट का माहौल बन गया है, जिसके चलते पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ लग रही है। तहसीलदार ने बताया कि अधिक भीड़ के कारण कुछ पेट्रोल पंपों पर सीमित स्टॉक (करीब 2000 लीटर) रखने की बाध्यता के चलते उन्हें अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा था, लेकिन अब उन्हें पुनः चालू कर दिया गया है और शाम तक पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल उपलब्ध हो जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें और बिना आवश्यकता के पेट्रोल-डीजल का भंडारण न करें, क्योंकि वर्तमान में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। अफवाहों के कारण ही आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चला गया अनुपम... पर तीन जिंदगियों में धड़कता रहेगा उसका जीवन

नालमे परिवार का इंदौर में मानवता का स्वर्णिम अध्याय, 67वें हरित गलियारे से अंगदान की मिसाल

दैनिक अवन्तिका ▶▶ शुजालपुर

कभी-कभी जिंदगी बहुत जल्दी हार मान लेती है... लेकिन कुछ लोग जाते-जाते भी जिंदगी बांट जाते हैं। शुजालपुर के 34 वर्षीय अनुपम नालमे अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका दिल, उनका जीवन, उनकी सांसें अब तीन अलग-अलग शरीरों में धड़केंगी। उनका जाना एक परिवार के लिए असहनीय पीड़ा लेकर आया, लेकिन उसी पीड़ा से जन्मी एक ऐसी मिसाल, जो समाज को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। माँ अहिल्या की पावन नगरी इंदौर ने एक बार फि र मानवता का सबसे उज्ज्वल रूप देखा, जब शुजालपुर के अनुपम के परिवार ने अपने बेटे को खोने के गहरे दुख के बीच अंगदान का निर्णय लेकर कई जिंदगियों को नया जीवन देने का संकल्प लिया।

एक पल में बदल गई जिंदगी

अनुपम नालमे पिता जगदीश नालमे एक सामान्य दिन जी रहे थे। वे अपने सिविल इंजीनियर ताऊजी अनिल नालमे व जुबीन नालमे के साथ अभियंता का कार्य करते थे और स्वभाव से मददगार अनुपम हमेशा दूसरों के लिए खड़े रहने वाले इंसान थे। लेकिन 20 मार्च को आए एक गंभीर मस्तिष्क रक्तस्राव ने सब कुछ बदल दिया। उन्हें इंदौर के सीएचएल केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने हर संभव प्रयास किया, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद शाम 5.13 बजे और फि र रात 11.50 बजे दो चरणों में मस्तिष्क मृत्यु प्रमाणन किया गया। यह वह क्षण था, जब उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी थीं लेकिन यहीं से एक नई उम्मीद जन्म लेने वाली थी।

दर्द के बीच लिया सबसे बड़ा निर्णय

जिस समय एक परिवार अपने बेटे को खोने के गम में टूट जाता है, उस समय नालमे परिवार ने एक ऐसा निर्णय लिया, जो हर किसी के बस की बात नहीं। मुस्कान समूह के सेवादारों की परामर्श प्रक्रिया के बाद परिवार ने अंगदान के लिए सहमति दी। पिता जगदीश नालमे, बुआ डॉ. वर्षा, भाई अनुराग और जुबीन नालमे सभी ने मिलकर यह ठाना कि अनुपम की जिंदगी यहीं खत्म नहीं होगी... वह दूसरों के जीवन में आगे बढ़ेगा। यह निर्णय केवल एक सहमति नहीं, बल्कि मानवता के प्रति उनका समर्पण था।

तीन जिंदगियों में धड़केगा अनुपम

अनुपम का लीवर सीएचएल केयर अस्पताल में भर्ती 44 वर्षीय महिला को नया जीवन देगा। एक किडनी 34 वर्षीय महिला को और दूसरी किडनी शैल्बी अस्पताल में भर्ती 39 वर्षीय पुरुष को प्रत्यारोपित किया जाएगा। इन अंगों को समय पर पहुंचाने के लिए इंदौर में 67वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया, एक ऐसा रास्ता, जहां हर संकेत थम जाता है, लेकिन जिंदगी दौड़ती है।

और भी देना चाहता था यह परिवार

दुख की इस घड़ी में भी शुजालपुर का नालमे परिवार यहीं नहीं रुका। उन्होंने हाथ, अग्न्याशय, अस्थि, हृदय वाल्व और छोटी आंत तक दान करने की इच्छा जताई। राष्ट्रीय स्तर पर चेतावनी जारी की गई, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक मदद पहुंच सके। हालांकि तकनीकी कारणों और तत्काल आवश्यकता न होने के कारण इन अंगों का उपयोग नहीं हो सका।

अनुपम गया नहीं... अमर हो गया

एक बेटे को खोने का दुख शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता...लेकिन उस दुख के बीच लिया गया यह निर्णय अनुपम को अमर बना गया। अब वह सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, एक ऐसी प्रेरणाए जो सिखाती है कि मृत्यु अंत नहीं होती, यदि आप किसी और को जीवन दे जाएं।

गार्ड ऑफ ऑनर से दी अंतिम विदाई

इंदौर में हुई अंग दान की प्रक्रिया के बाद अस्पताल में अनुपम को राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके उपरांत अनुपम के पार्थिव शरीर को शुजालपुर लाया गया, यहां पर भी गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंतिम संस्कार शुजालपुर स्थित शांतिवन में हुआ और हजारों नम आखों ने अनुपम को अंतिम विदाई दी। साथ ही नालमे परिवार के द्वारा लिए गए मानवता के मिसाल वाले इस निर्णय की हर वर्ग ने सरहाना की।

शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में लगा विशाल रक्तदान शिविर

ब्लड डोनरों ने बढ़चढ़कर लिया हिस्सा, अमर शहीदों की स्मृति को बनाया यादगार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ गुना

शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों सहित महिलाओं तथा युवतियों ने सैकड़ों को संख्या में बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

यह शिविर देश के अमर शहीदों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की स्मृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और जरूरतमंदों के लिए जीवनदायिनी सहायता उपलब्ध कराना था। शिविर में चिकित्सकों की टीम द्वारा रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया गया। वहीं आयोजन समिति ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पंचमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी सियाराम दास जी महराज ने दीप प्रज्वलित कर भारत माता, वंदे मातरम और अखंड भारत के नारे लगाए। महाराज श्री ने कहा कि यह कार्यक्रम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रेरणा देने के उद्देश्य से उनमें जोश और उत्थान के लिए यह गैरराजनीतिक कार्यक्रम रखा गया है।

रक्तदान कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ भाजपा नेता विश्वनाथ सिंह सिकरवार छुन्ना भैया ने कहा कि हिंदुस्तान में यह पहला सिद्ध पंचमुखी आश्रम है जहां आध्यात्मिक की अलख तो जग ही रही है। साथ ही साथ राष्ट्रवाद की अलख भी पूज्य सियाराम दास जी महाराज ने पिछले 25 वर्षों से जला रखी है और हम जैसे सैकड़ों, हजारों युवाओं ने महाराज की प्रेरणा से इस संकल्प को आजीवन मृत्युपर्यंत चलाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान को याद करने का सबसे अच्छा तरीका समाज सेवा के कार्यों में भाग लेना है। रक्तदान न केवल एक मानवीय कार्य है, बल्कि यह कई जिंदगियां बचाने का माध्यम भी है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बुजुर्ग की मौके पर मौत

सुसनेर। क्षेत्र में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों ने इलाके में सनसनी फैला दी। एक हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरे हादसे में लोडिंग वाहन पलटने से चालक सहित अन्य लोग घायल हो गए। दोनों ही घटनाओं के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पहला हादसा सोयत रोड स्थित बढ़िया जोड़ के पास हुआ। निपानिया निवासी 74 वर्षीय भुवान यादव अपने निजी कार्य से लौटते हुए बाइक से गांव जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और भुवान यादव ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

महिला भजन स्पर्धा, 250 बहनों ने लिया हिस्सा

दैनिक अवन्तिका ▶▶ आष्टा

आष्टा में महिला भजन मंडलियों की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मां वैष्णवी सांस्कृतिक महिला संगठन, आष्टा ने ग्राम भंवरा में यह कार्यक्रम हुआ। इसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और महिला मंडल के सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने घोषणा की कि भंवरा में राजाभोज की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और नारी सम्मान के लिए किए जा रहे कार्यों पर भी प्रकाश डाला।

यादवोत्थान समिति मालवांचल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

सामूहिक विवाह और कार्यकारिणी विस्तार पर चर्चा

दैनिक अवन्तिका ▶▶ बड़नगर

यादवोत्थान समिति मालवांचल की एक आवश्यक बैठक रविवार को स्थानीय सत्यम कॉम्प्लेक्स, खोप दरवाजा पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मथुरालाल झड़ ने की। शुभारंभ अतिथियों और वरिष्ठजनों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया।

बैठक के दौरान संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए यादवोत्थान समिति एवं युवा उत्थान समिति की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों और सदस्यों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए मनोनयन पत्र वितरित किए गए। बैठक में समाज हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया, जिसमें मुख्य रूप से सामूहिक विवाह आगामी 20 अप्रैल 2026 (अक्षय तृतीया) को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों और रूपरेखा पर चर्चा की गई। समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु 'प्रतिभा सम्मान समारोह' आयोजित करने का निर्णय लिया गया। समाज को संगठित करने के लिए आजीवन और वार्षिक सदस्यता अभियान को गति देने पर सहमति बनी। इस महत्वपूर्ण बैठक में समाज के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य, युवा उत्थान समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु, वरिष्ठजन और युवा साथी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव ओम प्रकाश यादव ने किया। आभार युवा अध्यक्ष सचिन यादव ने व्यक्त किया।

शहीद दिवस पर तिरंगा मित्र मंडल ने किया भारत माता की आरती का आयोजन, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

शहीद भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान को याद किया

दैनिक अवन्तिका ▶▶ जीरापुर

शहीद दिवस के अवसर पर तिरंगा मित्र मंडल द्वारा चोपड़ा बाजार में शहीदों को नमन करते हुए भारत माता की आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे और देश के अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। देशभक्ति के माहौल के बीच भारत माता की आरती की गई, जिसमें सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। इन वीर सपूतों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। वक्ताओं ने नागरिकों से देशभक्ति का जज्बा हमेशा जीवित रखने और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों ने नगर में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की मांग नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाहा के समक्ष रखी। अपने उद्बोधन में पवन कुशवाहा ने बताया कि चोपड़ा बाजार स्थित हनुमान मंदिर और कुंडी के जीर्णोद्धार का कार्य प्रस्तावित है और इसी के साथ यहां शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की स्वीकृति भी दी जाएगी। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि चोपड़ा बाजार का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

आंगन वाड़ी केंद्र पर विद्यारम्भ कार्यक्रम मनाया

मक्सी । मक्सी में विद्यारंभ कार्यक्रम मनाया गया महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश अनुसार आंगनबाड़ी केंद्र / क्रमांक 1,2,1/2, 3 पंजीकृत 5 से 6 वर्ष समस्त बच्चों के प्राथमिक शाला में सहायक रूप से स्थानांतरित करने और आंगनवाड़ी केंद्र में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के शुद्धिकरण के उद्देश से विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण किए गए ,आंगनवाड़ी केंद्र 1,1/2, 02 ,3/2 मैं बच्चे ,अभिभावक एवं वार्ड पार्षद अशोक लोधी एवं वार्ड के महेश लोधी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनीता लोधी ,रोशन आरा, शिप्रा राठौर, कुंता लोधी एवं सहायिका रेखा लोधी, कांति लोधी सुनीता लोधी देवकी लोधी उपस्थित में होकर आंगनबाड़ी मैं आने वाले 5 से 6 वर्ष के बच्चों को विद्याराम प्रमाण पत्र वितरण कर अभिभावक को मार्ग दर्शन दिया गया, विद्याराम प्रमाण पत्र का महत्व को समझाया गया जीससे अभिभावकों में खुशी का माहौल देखा गया। मुख्यमंत्री का विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम दिखाया गया।

पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़ अधिकारियों ने कहा ईंधन पर्याप्त

महिदपुर। शहर के नजदीकी पेट्रोल पंपों पर बुधवार शाम उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब अचानक डीजल-पेट्रोल भरवाने के लिए वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सोशल मीडिया पर फैली किसी अफवाह या अनिश्चितता के डर से लोग बड़ी संख्या में अपने वाहनों की टंकियां फुल कराने पहुँचने लगे। जैसे ही प्रशासन को पंपों पर बढ़ती भीड़ की सूचना मिली, अधिकारी तुरंत हरकत में आए। एसडीएम अजय हिंगे, तहसीलदार संतुष्टि पाल और थाना प्रभारी नरेंद्रसिंह परिहार दलबल के साथ मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने न केवल कतारों को व्यवस्थित करवाया, बल्कि स्वयं मोर्चा संभालते हुए वाहन मालिकों से संवाद किया। अफवाहों पर न दें ध्यान एसडीएम अजय हिंगे ने आमजन को आश्वस्त करते हुए कहा, जिले में डीजल और पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी भी तरह की किल्लत नहीं है। नागरिक पैनिक न हों और जरूरत के अनुसार ही ईंधन लें। वहीं, पंप संचालक जवाहर डोसी (पीयूष) ने भी स्पष्ट किया कि उनके पास भरपूर मात्रा में स्टॉक मौजूद है और सप्लाई चेन पूरी तरह सामान्य है। प्रशासन की त्वरित समझाइश और मौके पर मौजूदगी के बाद स्थिति नियंत्रण में आई और लोग शांत हुए। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें।

महिदपुर में विकासखंड स्तरीय निशुल्क दिव्यांग शिविर का आयोजन

महिदपुर। शासन के निर्देशानुसार 23 मार्च को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय महिदपुर में विकासखंड स्तरीय निशुल्क दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जिला स्तरीय चिकित्सा टीम और विशेषज्ञ द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों का परीक्षण कर 9 विद्यार्थियों को दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा शिविर में 36 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिनके प्रमाण पत्र का नवीनीकरण किया गया तथा सभी विद्यार्थियों की जांच की गई। उक्त कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी उदयसिंह चैहान, उत्कृष्ट प्राचार्य किशोर परमार, संजय त्रिवेदी, एमआरसी विष्णु कारपेंटर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामेश्वर सोनी द्वारा प्रदान की गई।

ब्राह्मण समाज की दो महिलाओं को सौंपे महत्वपूर्ण दायित्व

महिदपुर। अ.भा. गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज महिला

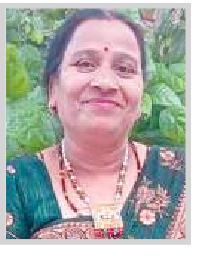

सभा की प्रदेश अध्यक्ष प्रीति अनिल पुरोहित ने समाज की राष्ट्रीय महिला सभा की अध्यक्ष माया राजेश त्रिवेदी की सहमति से प्रदेश कार्यकारिणी में समाज की 12 वरिष्ठ महिलाओं को संरक्षक बनाते हुए कार्यकारिणी का गठन कर विभिन्न गांवों शहरों की सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली समाज की महिलाओं को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे हैं। जानकारी के अनुसार महिदपुर नगर से समाज की मुक्तिका मनोज शर्मा योजना मंत्री तथा महिदपुर रोड की हेमलता गोपाल उपाध्याय को सांस्कृतिक मंत्री बनाया है शर्मा तथा उपाध्याय की नियुक्ति पर समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्री नारायण जी यादव दादा
अध्यक्ष, मध्यप्रदेश कुश्ती महासंघ, अध्यक्ष : यादव महासभा
जीवेत शरदः शतम्
श्री अभय यादव
प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय
डॉ. मोहन यादव जी को जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं
जन्मोत्सव कार्यक्रम
कालिदास अकादमी, कोठी रोड, उज्जैन
समय : सायं 4 बजे से
दीपक जायसवाल
प्रवेन्द्र यादव
जमना यादव
बधाईकर्ता : दीपक जायसवाल एवं जमना यादव मित्र मंडली, उज्जैन

दैनिक अवन्तिका

www.awantika.com

METROPOLITAN

न्यूज कॉलम

पुलिस ने लौटाए 251 गुम मोबाइल, थानों की ग्रेडिंग में बाणगंगा नंबर वन

इंदौर। इंदौर पुलिस ने छीनाझपटी, गुमशुदगी और मोबाइल चोरी के मामलों में पीड़ितों को राहत देने के लिए सिटीजन कॉप ऐप के जरिए विशेष पहल की है। इन शिकायतों के आधार पर क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए 251 गुम मोबाइल उनके असली मालिकों को वापस दिलाए। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार, ऐप पर मिली शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए मोबाइल ट्रेस किए गए। ये मोबाइल महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात समेत अन्य राज्यों में उपयोग किए जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपए है। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने थानों की कार्यप्रणाली के आधार पर ग्रेडिंग लिस्ट जारी की है। दो माह पहले जारी सूची में खजराना, कनाडिया और विजयनगर थाने शीर्ष पर रहे थे। इस बार बाणगंगा थाना बेहतर कार्रवाई के चलते पहले स्थान पर रहा है। दूसरे नंबर पर पलासिया और तीसरे पर भंवरकुआ थाना शामिल हैं। वहीं लसूड़िया और खजराना को क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान मिला है। 32 थानों की इस सूची में पड़रीनाथ थाना सबसे निचले पायदान पर रहा, जिसका प्रदर्शन सबसे कमजोर पाया गया।

सिंहासा गांव की बेकरी में लगी आग पर 10 टैंकर पानी डालने के बाद पाया काबू

इंदौर। इंदौर के धार रोड स्थित सिंहासा गांव में बुधवार सुबह एक बेकरी में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। घटना के समय अंदर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। फायर ब्रिगेड के अनुसार सुबह करीब 9 बजे सुफ्फा बेकरी में आग लगी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि विस्तृत जांच अभी जारी है। शुरुआत में आग बुझाने में काफी कठिनाई आई। करीब 10 टैंकर पानी डालने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग का धुआं कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। आसपास नमकीन के कारखाने और गोदाम होने के कारण खतरा बढ़ गया था। स्थानीय गार्ड ने सबसे पहले धुआं निकलते देखा और फायर स्टेशन को सूचना दी, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई की गई। अधिकारियों के अनुसार आग पर नियंत्रण कर लिया गया है, लेकिन अंदर जले मटेरियल के कारण धुआं निकल रहा है। एहतियातन दमकल टीम मौके पर तैनात है।

निजी कंपनी के मैनेजर पर छेड़छाड़ का आरोप युवती के कमरे पर पहुंचकर की हरकत

इंदौर। इंदौर के विजयनगर थाना क्षेत्र में एक महिला कर्मचारी से उसके ही मैनेजर द्वारा छेड़छाड़ और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय पीड़िता एक निजी कंपनी में काम करती है और स्कीम नंबर-74 में रहती है। 28 जनवरी 2026 की रात करीब 8.30 बजे उसका मैनेजर हिमांशु दुबे बिना सूचना दिए उसके घर पहुंच गया। कुछ देर सामान्य बातचीत के बाद आरोपी ने अचानक गलत नीयत से उसे छूने की कोशिश की। पीड़िता के विरोध करने और शोर मचाने पर उसने उसे धक्का देकर खुद को बचाया, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग निकला। पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद जब उसने कंपनी में शिकायत करने की बात कही, तो आरोपी ने उसे धमकाना शुरू कर दिया। उसने कहा कि वह कंपनी में लंबे समय से काम कर रहा है और उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। साथ ही शिकायत करने पर नौकरी से निकलवाने की धमकी भी दी। बाद में पीड़िता ने अपने परिचितों को पूरी घटना बताई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी हिमांशु दुबे के खिलाफ छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुणे की लॉजिस्टिक कंपनी से 90 लाख की धोखाधड़ी, एफआईआर दर्ज

इंदौर। इंदौर की लसूड़िया थाना पुलिस ने पुणे की एक लॉजिस्टिक कंपनी के साथ लाखों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के ही कर्मचारी और उसके साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई कंपनी के डायरेक्टर की शिकायत पर की गई। पुलिस के मुताबिक एमआरसी लॉजिस्टिक कंपनी के डायरेक्टर राजीव आर्य ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें इंदौर में कार्यरत कंपनी कर्मचारी कुलदीप सिंह सहित उसके सहयोगियों विनय, काशीनाथ चौहान, सचिन सोनी, रेनू कुमारी और अमित शर्मा को आरोपी बनाया गया है। जांच में सामने आया है कि कुलदीप सिंह कंपनी में इंदौर शाखा प्रमुख के रूप में कार्यरत था। उसने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए फर्जी बिल तैयार किए और अन्य कंपनियों के नाम पर भुगतान दिखाकर कंपनी के पैसे अपने परिचितों के खातों में ट्रांसफर कर दिए। पुलिस के अनुसार रेनू कुमारी कृतिका कंटेनर्स, अमित शर्मा बालाजी रोडवेज और सचिन सोनी सेफेक्स रिलोकेशन नाम से कंपनियां संचालित करते हैं। जांच में यह भी सामने आया कि ये सभी कंपनियां आरोपी कुलदीप के परिचितों से जुड़ी हुई हैं और इन्हीं के माध्यम से धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। कंपनी का आरोप है कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच 90 लाख रुपए से अधिक की हेराफेरी की गई। शिकायत के साथ कंपनी ने बिल और खर्च से जुड़े दस्तावेज भी पुलिस को सौंपे हैं। लसूड़िया पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ की जाएगी और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ईवी हादसा: घर में अवैध रूप से रखे थे 12 सिलेंडर, फूड विभाग करेगा जांच

पुलिस का दावा घर से मिले बॉडी-पार्ट्स, बेटे ने किया इनकार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में ईवी अग्निकांड के सातवें दिन (मंगलवार) घर से बॉडी पार्ट्स मिले हैं। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है, जबकि परिजन इनकार कर रहे हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि अवशेष किसके हैं।

पुलिस को अनुमान है कि ये मासूम तनय के हो सकते हैं। वहीं घर में अवैध रूप से रखे 12 से ज्यादा गैस सिलेंडर मिलने के बाद खाद्य विभाग भी जांच की तैयारी में है, क्योंकि नियम के अनुसार 100 किलो से अधिक गैस का भंडारण नहीं किया जा सकता। एडिशनल डीसीपी (जोन-2) अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, मकान हैंडओवर प्रक्रिया के दौरान पुलिस की मौजूदगी में परिजनों को कुछ शव अवशेष मिले थे, जिन्हें तिलक नगर मुक्तिधाम में दफना दिया गया है। तिलक नगर थाना प्रभारी मनीष लोधा का भी कहना है कि परिजन घर से सामान निकाल रहे थे, तभी तेज बदबू आने पर जांच की गई, जहां शव के कुछ अवशेष मिले। वहीं मृतक मनोज पुगलिया के बड़े बेटे सौरभ ने बॉडी पार्ट्स मिलने की बात से साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा कि घर से किसी भी प्रकार के अवशेष नहीं मिले हैं। बता दें 18 मार्च को बृजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी के अर्हम विला में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 4 लोग घायल हैं। मृतकों में 6 रिश्तेदार शामिल थे, जो बिहार के किशनगंज से आए थे।

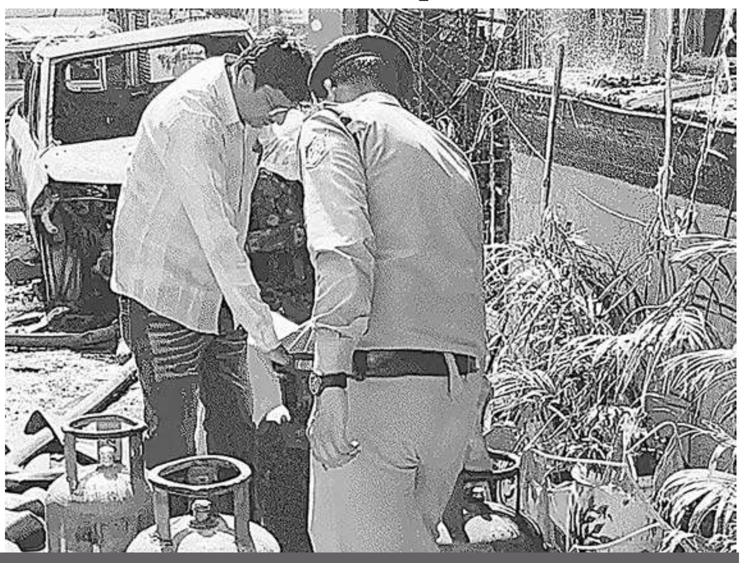

तनय के सिर्फ पैर ही मिले थे- घटना वाले दिन 6 साल के तनय का केवल पैर ही मिला था, इसी आधार पर पुलिस को आशंका है कि बाद में मिले अवशेष उसके हो सकते हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि जिसे पहले तनय का शव माना जा रहा था, वह दरअसल सोफे का फोम निकला। यह चौंकाने वाली जानकारी डॉक्टरों ने जांच के दौरान पुलिस को सौंपी थी।

सौरभ के बयानों पर सवाल- मामले में मनोज का बड़ा बेटा सौरभ शुरुआत से ही अलग-अलग बयान दे रहा है। उसने पहले दावा किया था कि ईवी चार्जिंग पर नहीं थी, इसलिए आग उससे नहीं लगी, जबकि बिजली कंपनी की रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि कार चार्जिंग में थी और ऑटो-कट के बाद दोबारा करंट आने से शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग भड़की।

विजय सेठिया और रुचिका की मौत दम घुटने से हुई

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, मृतक मनोज के साले विजय सेठिया और रुचिका की मौत जलने से नहीं, बल्कि दम घुटने से हुई। दोनों के शरीर में कार्बन मोनोऑक्साइड के अवशेष मिले हैं। बताया जा रहा है कि सोते समय धुआं गले में भरने से उनकी जान चली गई। सूत्रों के अनुसार, दम घुटने के बाद ही आग उनके शरीर तक पहुंची, इसके बावजूद शव ज्यादा झुलसे नहीं थे।

3 महिलाओं के शव जल चुके थे, पहचान भी मुश्किल

पोस्टमॉर्टम करने वाली टीम ने सभी चार महिलाओं के शवों की विस्तृत जांच की। इनमें से तीन शव पूरी तरह जल चुके थे, जिससे पहचान करना मुश्किल था। किसी तरह का विवाद न हो, इसलिए सभी की बारीकी से जांच की गई। पोस्टमॉर्टम के दौरान चारों महिलाओं के गर्भाशय की भी जांच की गई, जिसमें स्पष्ट हुआ कि कोई भी महिला गर्भवती नहीं थी।

8 घरेलू और 4 कमर्शियल सिलेंडर मिले

- घटना के बाद घर के अंदर से 8 घरेलू और 4 कमर्शियल गैस सिलेंडर मिले। पुलिस के मुताबिक, इनमें से 2 सिलेंडर फट चुके थे, जिनके अवशेष जांच टीम को मिले। घर में इतनी बड़ी संख्या में सिलेंडर क्यों रखे गए थे, इस पर परिजन अब तक स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए हैं।
- 12 से ज्यादा सिलेंडर मिलने के चलते खाद्य आपूर्ति विभाग भी मामले की विभागीय जांच करेगा। खाद्य अधिकारी मोहनलाल मारू ने बताया कि फिलहाल पुलिस रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

रिपोर्ट में खुलासा- धुआं और झुलसने से सभी की मौत

- एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने शनिवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पुलिस को दे दी। इसके अनुसार, हादसे में किसी को करंट नहीं लगा। सभी की मौत धुआं भरने और झुलसने के कारण हुई।
- जानकारी के मुताबिक, मनोज पुगलिया ने पहले बेटे सौरभ, सौमिल, हर्षित और पत्नी सुनीता को बाहर निकाला। इसके बाद वे अन्य लोगों को बचाने के लिए अंदर गए, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण बाहर नहीं निकल सके और लपटों में घिर गए। उनकी बहू सिमरन भी जली हुई अवस्था में मिली। दोनों के शव छत पर बने चैनल गेट के पास मिले।

शहरवासियों को बकाया संपत्तिकर व जलकर जमा करने पर नगर निगम ने दी राहत

31 तक सरचार्ज में मिलेगी छूट, लोगों को मिलेगा फायदा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर नगर निगम वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम सप्ताह में शहरवासियों को बड़ी राहत दे रहा है। नेशनल लोक अदालत की तर्ज पर अब लोग 31 मार्च तक अपने बकाया संपत्तिकर और जलकर पर लगने वाले सरचार्ज में भारी छूट पा सकते हैं। देखा जाए तो यह सरचार्ज में छूट पाने का आखिरी मौका है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल और राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि नगर निगम लोगों को संपत्तिकर, जलप्रभार और अन्य उपभोक्ता प्रभार के बकाया भुगतान पर सरचार्ज में विशेष राहत दी जा रही है, जिससे वे अपने लंबित करों का शीघ्र एवं सरलता से निराकरण कर सकें। यह विशेष छूट 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी। इसके बाद सरचार्ज सहित राशि जमा करना होगी। साल 2026 में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालतों के अंतर्गत संपत्तिकर, जलप्रभार एवं अन्य उपभोक्ता

प्रभार के बकाया मामलों में केवल सरचार्ज में छूट प्रदान की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को राहत देते हुए लंबित राजस्व की वसूली सुनिश्चित करना है।

निगम कमिश्नर ने बताया कि वर्तमान यह वित्तीय वर्ष खत्म होने में एक हफ्ता ही बाकी है। ऐसे में राजस्व वसूली को प्राथमिकता देते हुए शासन ने यह निर्णय लिया है कि लोक अदालत अंतर्गत दी जा रही अधिभार में छूट को 31 मार्च 2026 तक लगातार जारी रखा जाए।

महापौर और निगम कमिश्नर ने अधिकारियों से कहा है कि उक्त विशेष छूट का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका फायदा उठाकर अपने बकाया करों का भुगतान कर सकें। साथ ही, सभी झोनल ऑफिसों को लक्ष्य निर्धारित करते हुए अधिकतम वसूली सुनिश्चित करने के लिए कहा हैं।

संपत्तिकर सरचार्ज में इन शर्तों पर मिलेगी छूट

संपत्तिकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार तक बकाया होने पर अधिभार में 100% तक की छूट दी जाएगी।

जलकर के सरचार्ज में भी मिलेगी छूट

- जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 10 हजार तक बकाया होने पर 100% तक की छूट दी जाएगी।
- जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 10 हजार से ज्यादा तथा 50 हजार तक बकाया होने पर मात्र सरचार्ज में 75% की छूट दी।
- जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार से अधिक बकाया होने पर मात्र सरचार्ज में 50% की छूट 31 मार्च 2026 तक निगम मुख्यालय व झोनल ऑफिसों पर दी जाएगी।

कारोबारी से 1.44 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी

गूगल से नंबर लेकर होटल बुकिंग करना पड़ा भारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है, जहां एक लोहा कारोबारी को मुंबई में होटल बुकिंग के नाम पर लाखों रुपए का चूना लगा दिया गया। कारोबारी ने साइबर सेल इंदौर में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद मामला लसूड़िया थाना पहुंचा, जहां पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

इंदौर निवासी अंकित मूंदड़ा ने अपने परिवार के साथ मुंबई घूमने की योजना बनाई थी। 14 मई 2025 को उन्होंने इंटरनेट पर मुंबई के एक होटल को सर्च किया और नोबेटेल मुंबई का नंबर समझकर एक मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को होटल का कर्मचारी बताते हुए पांच दिन की बुकिंग का ऑफर दिया। आरोपी ने 7,800 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से 1,44,815 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। भरोसा दिलाने के लिए उसने बुकिंग कन्फर्म होने की बात भी कही, लेकिन जब अंकित अपने परिवार के साथ मुंबई पहुंचे और होटल में चेक-इन करने गए, तब उन्हें पता चला कि उनके नाम से कोई बुकिंग ही नहीं है। जांच में सामने आया कि जिस नंबर पर उन्होंने संपर्क किया था, वह होटल का अधिकृत नंबर नहीं था, बल्कि एक फर्जी नंबर था। पीड़ित ने उस नंबर पर कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मजबूरी में उन्हें दूसरे होटल में रुकना पड़ा और बाद में इंदौर लौटकर साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई।

समझाइश देने के साथ ही सोशल मीडिया पर लिखा-अफवाहों से सावधान रहें

पेट्रोल पंपों पर अचानक बढ़ी भीड़ तो एक्टिव हो गए जनप्रतिनिधि-अधिकारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

तेल संकट की अफवाह के बीच इंदौर में मंगलवार रात पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देखते ही देखते शहर के कई पंपों पर लंबी-लंबी कतारें लग गईं और लोग अपनी गाड़ियों में पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए घंटों इंतजार करते नजर आए।

स्थिति बिगड़ते ही प्रशासन और जनप्रतिनिधि तुरंत एक्टिव हो गए। कई पेट्रोल पंपों पर पुलिस पहुंची और लोगों को समझाइश देते हुए बताया कि शहर में ईंधन की कोई कमी नहीं है। साथ ही सोशल मीडिया के जरिए भी लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया कि इंदौर में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। साथ ही अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

अधिकारियों ने डिपो और पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया

बुधवार सुबह भी पुलिस अधिकारी पेट्रोल पंपों पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पंप संचालकों से बातचीत कर सप्लाई की स्थिति जानी गई। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने डिपो और पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। इधर, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को भरोसा दिलाया कि शहर में ईंधन की कोई कमी नहीं है और बेवजह घबराने की जरूरत नहीं है।

पेट्रोल पंपों पर पहुंची पुलिस

बुधवार सुबह पुलिसकर्मी और अधिकारी पेट्रोल पंप पर पहुंचे और लोगों की समझाइश दी। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों से बातचीत भी की। हालांकि एक बात ये सामने आई कि रात में पेट्रोल पंपों पर लगी भीड़ के कारण कुछ पेट्रोप पंपों पर रात में स्टॉक खत्म हो गया, जिसके चलते कुछ जगह पर सुबह दिक्कत आई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि टैंकरों के आने के बाद स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार
समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

वीर हनुमान ज्योतिष दरबार
संकट मोचन के आशीर्वाद से हर काम होगा सफल
यहाँ हस्तरेखा जन्म पत्रिका देखकर जीवन के बारे में बताया जाता है
कारोबार में रुकावट | नौकरी में परेशानी | शादी में रुकावट
विदेश योग, पढ़ाई में रुकावट, पति-पत्नी में अनबन, संतान सुख, बनते-बनते काम बिगड़ना, ग्रह दोष, नज़र दोष, कालसर्प दोष घर में अशांति
सभी कार्य विधि विधान से किया जाता है।
29 ए भवानीपुर कॉलोनी, गोल्डन स्कूल के पास अन्नपूर्णा रोड, इंदौर
सभी जगह से निराश एक बार अवश्य मिले
फिस - 200 रु/-
समय: सुबह 9:00 से शाम 6:00 तक
मो. 9724383998

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com